Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199

भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य

पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 14, अंक 315 | पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये | दुर्ग, शुक्रवार 26 सितंबर 2025 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

जीएसटी में बड़ी कटौती के बाद पीएम मोदी का एक और ऐलान, बोले- हम यहीं नहीं रुकेंगे, टैक्स और कम होगा

नोएडा। नवरात्रि के पहले दिन (22 सितंबर) जीएसटी (ढस्ञ्ज) में भारी कटौती का तोहफा देने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को देशवासियों को एक और खुशखबरी दी है। उन्होंने भविष्य में टैक्स दरों में और भी कमी किए जाने का स्पष्ट संकेत देते हुए कहा कि जैसे-जैसे देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, आम आदमी पर टैक्स का बोझ भी कम होता जाएगा। गुरुवार को उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज देश जीएसटी बचत उत्सव मना रहा है। लेकिन मैं आपको बताना चाहता हूं कि हम यहीं नहीं रुकने वाले। देशवासियों के आशीर्वाद से जीएसटी रिफॉर्म का यह सिलसिला निरंतर चलता रहेगा। उन्होंने वादा किया कि जैसे-जैसे अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी, टैक्स का बोझ कम किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने 2014 से पहले और आज के टैक्स स्ट्रक्चर की तुलना करते हुए बचत का पूरा गणित समझाया। उन्होंने कहा, अगर कोई परिवार 2014 से पहले साल में एक लाख रुपये का सामान खरीदता था, तो उसे लगभग 25 हजार रुपये टैक्स देना पड़ता था। लेकिन अब 'नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी' के बाद उसी एक लाख की खरीदारी पर सिर्फ 5 से 6 हजार रुपये का टैक्स ही देना पड़ेगा।

उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि 2014 से पहले एक हजार रुपये की शर्ट पर 117 रुपये टैक्स लगता था, जो अब घटकर सिर्फ 35 रुपये रह गया है। इसी तरह, टूथपेस्ट और शैंपू जैसे रोजमर्रा के सामान पर जहां पहले 31ब टैक्स लगता था, वह अब काफी कम हो गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने विशेष रूप से वाहनों पर टैक्स कटौती से हुए लाभ का जिक्र करते हुए बताया कि इसका फायदा किसानों से लेकर मध्यम वर्ग तक सभी को मिला है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले जहां एक ट्रैक्टर खरीदने पर 70 हजार रुपये से अधिक का टैक्स लगता था, वह अब घटकर मात्र 30 हजार रुपये रह गया है, जिससे किसानों को हर ट्रैक्टर पर सीधे 40 हजार रुपये की बचत हो रही है। इसी क्रम में, थ्री-व्हीलर पर लगने वाला टैक्स 55 हजार से कम होकर 35 हजार रुपये हो गया है, जिससे 20 हजार रुपये की बचत होती है। इसके अतिरिक्त, आम आदमी की सवारी यानी टू-व्हीलर भी सस्ते हुए हैं; 2014 की तुलना में अब एक स्कूटर 8 हजार और मोटरसाइकिल 9 हजार रुपये तक सस्ती हो गई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन सुधारों से गरीब और मध्यम वर्ग, सभी की बचत सुनिश्चित हुई है।

फिल्म में पाकिस्तानी एक्ट्रेस तो 'देशद्रोही', अब भारत-पाक मैच पर सब चुप क्यों? दिलजीत दोसांझ ने पूछा तीखा सवाल

मुंबई। पंजाबी सुपरस्टार और ग्लोबल आइकन दिलजीत दोसांझ अपनी फिल्म 'सरदार 3' को लेकर हुए विवाद पर लंबे समय से चुप थे, लेकिन अब उन्होंने इस मामले पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। अपने 'औरा वर्ल्ड टूर' के तहत मलेशिया में हुए एक कॉन्सर्ट के दौरान, दिलजीत ने 'देशद्रोही' कहे जाने पर भावुक होकर अपनी बात रखी और पाखंड पर भी सवाल उठाए। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही कॉन्सर्ट की क्लिप में दिलजीत सबसे पहले मंच से भारतीय ध्वज को सलाम करते हैं। वह कहते हैं, वो मेरे देश दा झंडा है।

मुख्यमंत्री साय से राज्य प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों ने की सौजन्य मुलाकात

जनता की समस्याओं को हल करने में राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की है अहम भूमिका - मुख्यमंत्री साय

रायपुर(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में राज्य प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में 2024 बैच के 13 एवं 2021 बैच के एक अधिकारी शामिल थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रशिक्षु अधिकारियों से चर्चा के दौरान कहा कि राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी प्रशासन की धुरी हैं। जनता की समस्याओं को हल करने में उनकी अहम भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि प्रशासन के साथ-साथ आपको प्रबुद्ध नागरिक के रूप में समाज की भी चिंता करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एक बेहतर समाज के निर्माण में आप सभी अपना योगदान दें। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी अधिकारियों को पदेन दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करने के लिए शुभकामनाएँ दीं।

छत्तीसगढ़ प्रशासन अकादमी के संचालक श्री टी.सी. महावर ने मुख्यमंत्री श्री साय को अवगत कराया कि इन अधिकारियों का 7 अप्रैल 2025 से प्रारंभ हुआ इंडक्शन कोर्स अब समाप्त हो रहा है। इसके बाद ये सभी अधिकारी राज्य के विभिन्न जिलों में डिप्टी कलेक्टर के रूप में सेवा देंगे, जहाँ वे शासन के विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली को समझेंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रशिक्षु अधिकारियों से उनके प्रशिक्षण के अनुभव भी जाने। उन्होंने कहा कि यह आपका सौभाग्य है कि आपको राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी के रूप में जनता की सेवा का अवसर मिला है। यह अवसर सभी को नहीं मिलता। पूरे मनोयोग से इस अवसर का लाभ उठाते हुए निष्ठा और समर्पण के साथ अपने प्रशसनिक दायित्वों का निर्वहन करें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि शासन का काम जनहित की नीतियाँ बनाना है, लेकिन उनके क्रियान्वयन की जिम्मेदारी प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों पर ही रहती है। छत्तीसगढ़ एक अत्यंत समृद्ध राज्य है। यहाँ प्रचुर मात्रा में खनिज और वन संपदा है, मिट्टी उर्वरा है और पावर सेक्टर बहुत मजबूत है। राज्य के विकास में नक्सलवाद एक बड़ी रुकावट था, जो अब अपनी अंतिम साँसें गिन रहा है। हमारे जवान पूरी मुस्तैदी से नक्सलियों का मुकाबला कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह का संकल्प है कि 31 मार्च 2026 तक नक्सल समस्या का उन्मूलन कर दिया जाएगा। हमारे बहादुर जवान डटकर मुकाबला कर रहे हैं। इस लक्ष्य की प्राप्ति के बाद छत्तीसगढ़ और तेजी से विकसित होगा। राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के रूप में आपकी जिम्मेदारी भी और अधिक बढ़ जाएगी। विशेष रूप से छत्तीसगढ़ में जनजातीय समाज को आगे लाने में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रशासन में पारदर्शिता लाना हमारी प्राथमिकता है। छत्तीसगढ़ पहला राज्य है जहाँ सुशासन एवं अभिसरण विभाग बनाया गया है। छत्तीसगढ़ में ई-ऑफिस प्रणाली भी लागू की गई है। छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति निवेशकों को आकर्षित कर रही है। अब तक हमें साढ़े 7 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

रक्षा क्षेत्र में भारत को बड़ी कामयाबी, पहली बार रेल लॉन्चर से अग्नि-प्राइम मिसाइल का सफल परीक्षण; 2000 किमी है रेंज

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत ने रक्षा क्षेत्र में एक और बड़ी कामयाबी हासिल की है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-प्राइम का सफल परीक्षण किया है। इस परीक्षण की सबसे खास बात यह रही कि मिसाइल को पहली बार विशेष रूप से डिजाइन किए गए रेल आधारित मोबाइल लॉन्चर सिस्टम से दागा गया। यह परीक्षण अपनी तरह का पहला है और भारत की रणनीतिक क्षमताओं में एक नया अध्याय जोड़ता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने आधिकारिक एक्स (पूर्व में ट्विटर) हैंडल से इसकी जानकारी साझा की और परीक्षण का वीडियो भी जारी किया। उन्होंने बताया कि यह लॉन्चर सिस्टम बिना किसी पूर्व तैयारी के देशभर के रेल नेटवर्क पर कहीं से भी चल सकता है और कम समय में जवाबी कार्रवाई करने में सक्षम है। इसकी सहायता से मिसाइल की लो विजिबिलिटी में भी लॉन्चिंग की जा सकती है, जो रणनीतिक दृष्टिकोण से बेहद अहम है। राजनाथ सिंह ने इस उपलब्धि पर ष्ठक्रष्ठह्र, सामरिक बल कमान (स्स्नष्ट) और सशस्त्र बलों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस सफल परीक्षण के साथ भारत उन चुनिंदा देशों की सूची में शामिल हो गया है जिनके पास रेल आधारित मोबाइल कैनिस्टराइज्ड लॉन्च सिस्टम विकसित करने की क्षमता है। अग्नि-प्राइम मिसाइल को ष्ठक्रष्ठह्र ने डिजाइन और विकसित किया है। यह मिसाइल 2000 किलोमीटर तक की मारक क्षमता रखती है और परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम है। यह नई पीढ़ी की मिसाइल है, जिसे कई आधुनिक तकनीकों से लैस किया गया है और यह उच्च सटीकता के साथ अपने लक्ष्यों को भेदने में सक्षम है। गौरतलब है कि भारत के पास पहले से अग्नि-1 से लेकर अग्नि-5 तक की मिसाइल श्रृंखला मौजूद है। अग्नि-1 से अग्नि-4 की रेंज 700 किलोमीटर से लेकर 3500 किलोमीटर तक है, जबकि अग्नि-5 की रेंज 5000 किलोमीटर तक है। इसकी जद में चीन के उत्तरी क्षेत्र के साथ-साथ एशिया और यूरोप के कई हिस्से भी आते हैं। इस परीक्षण के साथ भारत की रणनीतिक क्षमताओं को नई मजबूती मिली है और देश की परमाणु प्रतिरोधक क्षमता और भी अधिक विश्वसनीय हो गई है।

962 की जंग में चीन का हमला काफी धीमा हो जाता अगर', सीडीएस अनिल चौहान ने किया बड़ा दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और चीन के बीच 1962 के युद्ध को लेकर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अगर उस समय भारतीय वायुसेना (आईएएफ) का इस्तेमाल किया गया होता, तो चीनी आक्रमण को काफी हद तक रोका जा सकता था। जनरल चौहान का यह बयान लेफ्टिनेंट जनरल एसपीपी थोराट की आत्मकथा 'रेवेली टू रिट्रीट' के संशोधित संस्करण के पुणे में हुए विमोचन के मौके पर एक वीडियो संदेश के दौरान आया।

मतगणना प्रक्रिया में बड़ा बदलाव

बिहार चुनावों से लागू होगा डाक मतपत्रों की गिनती का यह नया नियम

नई दिल्ली(एजेंसी)। लोकसभा और विधानसभा चुनावों में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए चुनाव आयोग ने डाक मतपत्रों की गिनती की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित कर दिया है। अब गिनती के दौरान यह सुनिश्चित किया जाएगा कि डाक मतपत्रों की गिनती पूरी होने से पहले ईवीएम की गिनती का अंतिम चरण शुरू न हो। अब तक प्रचलन यह था कि गिनती के दिन सुबह 8 बजे डाक मतपत्रों की गिनती शुरू होती थी और सुबह 8:30 बजे ईवीएम की गिनती। पहले के नियमों के मुताबिक, ईवीएम की गिनती डाक मतपत्रों की गिनती पूरी होने से पहले भी खत्म हो सकती थी। हालांकि, अब आयोग ने तय किया है कि ईवीएम की गिनती का दूसरा अंतिम चरण तभी शुरू होगा जब डाक मतपत्रों की गिनती पूरी हो जाएगी।

पहली बार बिहार में होगी लागू

नई व्यवस्था का पहला प्रयोग बिहार विधानसभा चुनावों में होगा, जो नवंबर में होने जा रहे हैं। आयोग ने स्पष्ट किया है कि इससे गिनती प्रक्रिया अधिक एकरूप और पारदर्शी बनेगी। इससे मतदाताओं और उम्मीदवारों के बीच किसी भी तरह के भ्रम की स्थिति नहीं रहेगी।

पर्याप्त संसाधनों की व्यवस्था

चुनाव आयोग ने यह भी निर्देश दिया है कि जिन निर्वाचन क्षेत्रों में डाक मतपत्रों की संख्या अधिक होगी, वहां पर्याप्त संख्या में टेबल और गिनतीकर्मी लगाए जाएं। इसका उद्देश्य गिनती में देरी को रोकना और प्रक्रिया को समयबद्ध बनाना है। आयोग ने बताया कि हाल ही में दिव्यांग मतदाताओं और 85 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए घर से मतदान की सुविधा शुरू की गई है। इसके चलते डाक मतपत्रों की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में गिनती की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना बेहद जरूरी हो गया है।

भाजपा ने बिहार चुनाव के लिए धर्मेंद्र प्रधान को बनाया प्रभारी, यूपी के डिप्टी सीएम को भी मिली जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए कमर कस ली है। इसी कड़ी में गुरुवार को पार्टी ने चुनाव प्रभारी और सह प्रभारियों का एलान किया। केंद्रीय शिक्षा मंत्री मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को बिहार में प्रदेश चुनाव प्रभारी नियुक्त किया गया है। उधर केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल को प्रदेश चुनाव सह-प्रभारी का जिम्मा सौंपा गया है। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य प्रदेश चुनाव सह-प्रभारी बनाया गया है।

इसके साथ ही भाजपा ने अगले साल होने वाले तमिलनाडु चुनाव के लिए पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयंत पांडा को चुनाव प्रभारी नियुक्त किया है। उनके साथ सहकारिता और उड्डयन मंत्रालय में राज्यमंत्री का पद संभाल रहे मुरलीधर मोहोल को सह-प्रभारी बनाया गया है।

पार्टी ने केंद्रीय पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव को पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रभारी बनाया है, जबकि सांसद बिप्लब कुमार देव को सह-प्रभारी नियुक्त किया गया है।

अरविंद केजरीवाल को जल्द मिलेगा सरकारी बंगला, दिल्ली हाईकोर्ट में केंद्र का आश्वासन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल को जल्द सरकारी बंगला मिल सकता है। गुरुवार को केजरीवाल के लिए दिल्ली में सरकारी बंगला आवंटन के मामले में दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को आश्वासन दिया कि नियमों के अनुसार अगले 10 दिनों के भीतर केजरीवाल को सरकारी बंगला आवंटित कर दिया जाएगा।

आम आदमी पार्टी की ओर से वकील ने कोर्ट से मांग की कि केजरीवाल को टाइप-8 या टाइप-7 श्रेणी का बंगला आवंटित करने का आदेश दिया जाए। इस पर सॉलिसिटर जनरल ने टिप्पणी की कि आम आदमी टाइप-8 बंगले के लिए नहीं लड़ा करते। हाईकोर्ट ने सॉलिसिटर जनरल के आश्वासन को रिकॉर्ड पर लेते हुए आदेश सुरक्षित रख लिया और कहा कि वह इस मुद्दे पर जल्द फैसला सुनाएगा। सॉलिसिटर जनरल ने फिर से भरोसा दिलाया कि नियम के मुताबिक केजरीवाल को बंगला अलॉट किया जाएगा।

हाईकोर्ट ने कहा कि मंत्रालय की कार्यप्रणाली पर ध्यान देना जरूरी है, जो न सिर्फ राजनेताओं, बल्कि गैर-राजनेताओं के लिए भी है। कोर्ट ने इस मामले को एक ऐसे मुद्दे के रूप में देखा, जिसका समाधान जरूरी है।

पिछली सुनवाई में दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया था कि बंगला आवंटन की प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए और इसके लिए एक स्पष्ट व्यवस्था लागू की जानी चाहिए। कोर्ट ने यह भी आदेश दिया था कि आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय के संयुक्त सचिव और संपदा निदेशालय के निदेशक अगली सुनवाई में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मौजूद रहें।

गौरतलब है कि आम आदमी पार्टी राष्ट्रीय राजधानी में अरविंद केजरीवाल के लिए एक सरकारी आवास की मांग करती रही है, क्योंकि वह एक मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय पार्टी के अध्यक्ष हैं। अपनी याचिका में इसने आवास आवंटन के दिशानिर्देशों का भी हवाला दिया, जिसमें कहा गया कि किसी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय पार्टी के अध्यक्ष दिल्ली में सरकारी आवास के हकदार हैं, अगर उनके पास न तो अपना घर है और न ही उन्हें किसी अन्य आधिकारिक क्षमता आवंटित किया गया है।

प्रदेश का स्वास्थ्य ढांचा आधुनिकता और विश्वास का बन रहा है प्रतीक - स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल

छत्तीसगढ़ अब जटिल हृदय उपचारों में बना देश का अग्रणी राज्य

राइट एट्रियम या बैकमैन बंडल में लीड लगाने का पहला मामला

रायपुर(समय दर्शन)। प्रदेश में आधुनिक चिकित्सा विज्ञान की उत्कृष्टता का प्रतीक, प्रदेश का सबसे पुराना और सबसे बड़ा पंडित जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय तथा इससे संबद्ध डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय के डॉक्टरों की टीम ने जटिल उपचारों में लगातार ऐसे कीर्तिमान स्थापित किए हैं जिन पर हर किसी को गर्व हो सकता है। ताज़ा उदाहरण एडवांस कार्डियक इंस्टिट्यूट (एसीआई) के कार्डियोलॉजी विभाग में हुआ, जहाँ 68 वर्षीय महिला मरीज पर देश का छठा और किसी भी सरकारी संस्थान का पहला बैकमैन टोटल फिजियोलॉजिकल पेसिंग सफलतापूर्वक किया गया।

डॉक्टरों के अनुसार यह जटिल प्रक्रिया अब तक एम्स दिल्ली और पीजीआई चंडीगढ़ जैसे शीर्ष संस्थानों में भी नहीं की गई थी। बैकमैन टोटल फिजियोलॉजिकल पेसिंग का अर्थ है ङ्क हृदय की धड़कन को पूरी तरह प्राकृतिक कंडक्शन सिस्टम (ष्ठ्रस्न्रह्वष्ह्लद्बश्ठ ह्य4ह्यह्लद्गद्व) के जरिए नियंत्रित करना, ताकि मरीज को लंबे समय तक स्थिर और सुरक्षित हृदय गति मिल सके।

यहां ध्यान देने योग्य है कि अब तक एसीआई और अन्य सरकारी कार्डियक संस्थानों में लेफ्ट बंडल या हिज़ बंडल में लीड लगाने के कई केस हो चुके हैं, लेकिन राइट एट्रियम यानी बैकमैन बंडल में लीड लगाने का यह पहला मामला है। इससे हृदय के दोनों चैम्बर्स की धड़कनें प्राकृतिक विद्युत मार्ग (ष्ठ्रस्न्रह्वष्ह्लद्बश्ठ ह्य4ह्यह्लद्गद्व) से संचालित होती रहती हैं।

एसीआई के कार्डियोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. स्मित श्रीवास्तव ने बताया कि रायपुर निवासी यह मरीज सिक साइनस सिंड्रोम नामक गंभीर हृदय रोग से पीड़ित थी। इस रोग में हृदय को धड़कन देने वाली कोशिकाएँ (पेसमेकर कोशिकाएँ) क्षतिग्रस्त हो जाती हैं और धड़कन अनियमित हो जाती है। सामान्यतः ऐसे मामलों में वेंट्रिकुलर या लेफ्ट बंडल पेसिंग की जाती है, लेकिन इस मरीज का हृदय कमजोर था और एट्रियल रिद्म भी अनियमित थी। केवल वेंट्रिकुलर पेसिंग करने से हार्ट फेल्योर और तेज धड़कन का खतरा था।

इसी कारण एसीआई की टीम ने बैकमैन टोटल फिजियोलॉजिकल पेसिंग का निर्णय लिया। इस प्रक्रिया में हृदय की प्राकृतिक विद्युत संरचना के एट्रियम भाग में पेसमेकर की लीड लगाई गई। यह तकनीक हृदय को उसके स्वाभाविक ढंग से धड़कने में मदद करती है और हार्ट फेल्योर का जोखिम बेहद कम कर देती है।

इस तरह संपन्न हुई प्रक्रिया

सबसे पहले लेफ्ट बंडल की स्थिति का इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी मैपिंग किया गया। फिर ठीक उसी तरह राइट एट्रियम के बैकमैन बंडल की मैपिंग कर लीड इंप्लांट की गई। इस तरह पूरा पेसिंग सिस्टम प्राकृतिक ढंग से काम करने लगा।

उपचार करने वाली टीम में कार्डियोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. स्मित श्रीवास्तव, डॉ. एस. के. शर्मा, डॉ. कुणाल ओस्तवाल, डॉ. अनुराग कुजूर और डॉ. वेद प्रकाश शामिल थे। यह उपचार मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के अंतर्गत किया गया, जिसमें योजना का लाभ दिलाने में मेडिको सोशल वर्कर खोगेंद्र साहू का विशेष योगदान रहा।

राजोआणा को अब तक फांसी क्यों नहीं दी गई?, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से पूछा सवाल, अब नहीं मिलेगा समय

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या के दोषी बलवंत सिंह राजोआणा की फांसी पर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केंद्र सरकार से कड़े सवाल किए। अदालत ने पूछा कि जब सरकार ने इस मामले को गंभीर अपराध की श्रेणी में माना है, तो फिर अब तक राजोआणा को फांसी क्यों नहीं दी गई?

जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस एनवी अंजारिया और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने सुनवाई के दौरान केंद्र से कहा ङ्क आपने अब तक उसे फांसी क्यों नहीं दी? इसके लिए कौन जिम्मेदार है? कम से कम हमने तो फांसी पर रोक नहीं लगाई। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज ने कहा कि वह इस बारे में जल्द जवाब देंगे। अदालत ने मामले की सुनवाई 15 अक्टूबर तक के लिए टालते हुए स्पष्ट किया कि अगली तारीख पर केंद्र का यह तर्क स्वीकार नहीं होगा कि उसे और समय चाहिए।

राजोआणा की ओर से सीनियर एडवोकेट मुकुल रोहतगी ने दलील दी कि वह 29 साल से जेल में बंद है और 15 साल से फांसी की सजा काट रहा है। उन्होंने कहा कि पिछली बार कोर्ट ने यह आधार नहीं माना कि दया याचिका राजोआणा ने नहीं बल्कि गुरुद्वारा समिति ने दायर की थी। रोहतगी ने कहा कि प्रावधानों के मुताबिक याचिका कौन दायर करता है, इससे फर्क नहीं पड़ता। मामला इतने लंबे समय से लंबित है और ढाई साल बीत जाने के बाद भी केंद्र ने कोई फैसला नहीं लिया। अदालत को बताया गया कि जनवरी 2024 में चीफ जस्टिस बी.आर. गवई की अगुवाई वाली विशेष बेंच ने केंद्र को आखिरी मौका देते हुए निर्देश दिया था कि वह दया याचिका पर निर्णय ले। आदेश में कहा गया था कि यदि केंद्र विफल रहता है तो अदालत स्वयं अंतिम फैसला करेगी।

गौरतलब है कि 31 अगस्त 1995 को चंडीगढ़ सचिवालय परिसर में हुए आत्मघाती बम धमाके में तत्कालीन पंजाब के मुख्यमंत्री बेअंत सिंह और 16 अन्य लोगों की मौत हुई थी। राजोआणा इस साजिश का हिस्सा पाए गए थे। 27 जुलाई 2007 को सीबीआई की विशेष अदालत ने उन्हें आईपीसी की धारा 302, 307, 120-बी और विस्फोटक अधिनियम की धाराओं के तहत दोषी ठहराकर फांसी की सजा सुनाई थी।

संक्षिप्त समाचार

27 को गभरा में भव्य डांस प्रतियोगिता, प्रणव शर्मा होंगे मुख्य अतिथी

पाटन (समय दर्शन)। क्षेत्र में नवरात्री के अवसर पर ग्राम गभरा (करगा), तहसील पाटन, जिला दुर्ग में नव जागरण दुर्गा उत्सव समिति, गभरा एवं समस्त ग्राम वासी के तत्वाधान मे दिनांक 27 सितंबर, शनिवार को संध्या 7:00 बजे से भव्य रिकार्डिंग डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है, प्रतियोगिता में नगद पुरस्कार राशि सामूहिक डांस में प्रथम पुरुस्कार 5000, द्वितीय 3000, तृतीय 2000 एवं चतुर्थ 1000 व एकल/युगल में प्रथम 3000, द्वितीय 2000, तृतीय 1000 एवं चतुर्थ 750 रखा गया है। प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए प्रतिभागियों को प्रवेश शुल्क जमा करके पंजीयन कराना होगा, पंजीयन हेतु आयोजक समिति से 8966850391, 8463853067 पर संपर्क किया जा सकता है, उक्त डांस प्रतियोगिता में आसपास के क्षेत्रवासियों के अधिक संख्या में शामिल होने की आशा है।

अमलेश्वर मंडल ने मनाया सेवा पखवाड़ा, पंडित दिन दयाल उपाध्याय की जयंती पर लिया स्वच्छता का संकल्प

पाटन (समय दर्शन)। सेवा पखवाड़ा के तहत पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती अमलेश्वर मंडल की ओर से अमलेश्वर में मनाया गया जिसमें प्रमुख रूप से मंडल अध्यक्ष है कमलेश चंद्राकर जिला उपाध्यक्ष श्रीमती हर्षा चंद्राकर पूर्व मंडल अध्यक्ष लोकमणि चंद्राकर सभापति जिला पंचायत श्रीमती नीलम चंद्राकर सांसद प्रतिनिधि राजेश चंद्राकर नगर पालिका अध्यक्ष है दयानंद सोनकर जमहामंत्री कैलाश यादव हीराराम तिवारी आलोक पाल पार्षद ललित कुमार साहू पार्षद धर्मेंद्र कौशिक जी महामंत्री सोहन निषाद जी पार्षद रवि सिंगर सरपंच राजू सोनकर पार्षद विकास सोनी अजीत ठाकुर गायत्री साहू सरपंच राजू साहू सरपंच प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

प्रांतीय गणित विज्ञान, मेला मे बहिन पूर्वा अग्रवाल एवं आचार्य प्रवेश प्रधान का चयन

बसना (समय दर्शन)। राजिम विद्यालय में आयोजित प्रांतीय गणित/ विज्ञान मेला में सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बसना के तरूण वर्ग (कक्षा एकादश) की बहिन पूर्वा अग्रवाल ने भौतिकी प्रयोग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है।

इसी तारतम्य में विद्यालय के आचार्य प्रवेश प्रधान ने विज्ञान पत्र वाचन में द्वितीय स्थान प्राप्त किये हैं। वे आगामी क्षेत्रीय गणित/विज्ञान मेला हरदा (म.प्र.) में सम्मिलित होगें। आस उपलब्धि पर विद्यालय संचालन समिति के समस्त पदाधिकारी एवं सदस्यों, प्राचार्य, प्रधानाचार्य एवं आचार्यों ने बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित किया है।

राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस एवं पोषण माह पर विविध कार्यक्रम आयोजित

स्वास्थ्य शिविर में लोगों का किया गया हेल्थ चेकअप

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले में 10वाँ राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस एवं राष्ट्रीय पोषण माह के अवसर पर आयुष विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संयुक्त रूप से स्वास्थ्य शिविर एवं विविध कार्यक्रमों का आयोजन गरिमामयी ढंग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन गरियाबंद के वन विभाग ऑक्शन हाल में किया गया।इस दौरान स्वास्थ्य शिविर में लोगों का स्वास्थ्य जांच किया गया। साथ ही स्वास्थ्य सलाह के साथ दवाइयों का वितरण भी किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गोदभराई एवं अन्नप्राशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया तथा उपस्थितजनों को सुपोषण शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में आयुष विभाग द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविर में कुल 294 मरीजों का उपचार किया गया। इसके अवाला आयुर्वेद विभाग द्वारा 187 मरीजों का होम्योपैथी तथा 40 मरीजों का एनसीडी इकाई में परीक्षण एवं उपचार किया गया। इस अवसर पर आयुर्वेद शपथ भी दिलाई गई। इसके अतिरिक्त वृक्षारोपण कार्यक्रम एवं रन फॉर आयुर्वेद दौड़ का आयोजन हुआ,जिसमें युवाओं, विद्यार्थियों एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका परिषद गरियाबंद के अध्यक्ष रिखीराम यादव एवं उपाध्यक्ष आसिफमेमन शामिल हुए। इस अवसर पर श्री यादव ने कहा कि आयुर्वेद हमारी जीवनशैली से जुड़ा हुआ है। यह केवल उपचार की पद्धति नहीं,बल्कि स्वस्थ जीवन जीने का विज्ञान है। पोषण और आयुर्वेद एक-दूसरे के पूरक हैं। यदि हम बच्चों और महिलाओं के पोषण पर ध्यान देंगे, तो स्वस्थ समाज का निर्माण संभव होगा। युवाओं को भी आयुर्वेद और योग की ओर अग्रसर होकर अपनी जीवनशैली को संतुलित बनाना चाहिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर नवीन भगत,जिला आयुष अधिकारी डॉ.प्रवीण चंद्राकर,जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग अशोक पाण्डेय,परियोजना अधिकारी ॠषि बंजारे,वरिष्ठ चिकित्सक डॉ.विनोद ठाकुर एवं डॉ. राजकुमार कन्नौजे सहित बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष मिलेश्वरी साहू,पार्षद विष्णु मरकाम, रेणुका साहू,पुष्पा साहू,बबीता सेन एवं जनपद सभापति बिंदु सिन्हा उपस्थित थे। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी अशोक पाण्डेय ने विभागीय प्रतिवेदन प्रस्तुत कर राष्ट्रीय पोषण माह की थीम मोटापे का समाधान पर प्रकाश डाला।

उन्होंने स्थानीयता को बढ़ावा, प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा, शिशु एवं छोटे बच्चों का आहार और पुरुष एवं महिला सहभागिता जैसे विषयों पर विशेष कार्यक्रमों की जानकारी दी।आयुष विभाग के डॉ.ऐश्वर्य साहू ने बताया कि राष्ट्रीय कुपोषण मुक्त अभियान के तहत बच्चों को अश्वगंधादि मोदक एवं कृमिनाशक दवाओं का वितरण किया जा रहा है।साथ ही, राष्ट्रीय आयुर्विद्या कार्यक्रम के माध्यम से प्रत्येक माह 25 विद्यालयों में स्वास्थ्य संबंधी मूलभूत जानकारी दी जाती है। आयुष्मान आरोग्य मंदिर योजना के अंतर्गत एनसीडी जाँच, प्रकृति परीक्षण, योगाभ्यास एवं परामर्श सेवाएँ प्रतिदिन उपलब्ध कराई जा रही हैं। स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत महिलाओं के स्वास्थ्य एवं पोषण सुधार हेतु विशेष शिविर भी संचालित हो रहे हैं। कार्यक्रम में डॉ.संगीता कौशिक ने पोषण विषय पर विचार रखे।

जय भारत इंग्लिश मीडियम स्कूल में मनाया गया हिंदी दिवस

जांजगीर(समय दर्शन)। जय भारत इंग्लिश मीडियम स्कूल में 13 सितंबर को हिंदी दिवस पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन हुआ कक्षा छठवीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया निबंध प्रतियोगिता का विषय एकता और संस्कृति गौरव की वैश्विक आवाज था। हिंदी भाषा दुनिया भर में लोगों को जोड़ने और एकता बनाने का एक महत्वपूर्ण जरिया है। यह न केवल हमारे देश की सांस्कृतिक धरोहर और गर्व का प्रतीक है, बल्कि दुनिया भर में इसे अपनाया जा रहा है। हिंदी भाषा एक ऐसी शक्ति है जो विभिन्न संस्कृतियों देश और लोगों के बीच सामूहिकता और गौरव का संदेश फैलती है। यह थीम हिंदी भाषा के प्रचार प्रसार भाषाई गौरव और सांस्कृतिक पहचान को बढ़ावा देने पर केंद्रित हैं यह थीम हिंदी भाषा की वैश्विक भूमिका को दर्शाती है जिसमें इसके माध्यम से सांस्कृतिक एकता और गौरव को बढ़ावा दिया जाता है।

महात्मा गांधी के शब्दों में किसी राष्ट्र की संस्कृति उसके लोगों के हृदय और आत्मा में निवास करती है। हिंदी भारत की आत्मा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसके माध्यम से हम अपनी संस्कृति और मूल्यों को विश्व के साथ साझा कर सकते हैं। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सफा अंजुम द्वितीय स्थान आभा तृतीय स्थान जैनी खूंटे, हाफिज खातून को प्राप्त हुआ। प्रथम द्वितीय तृतीय आने वाले विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दिया गया एवं छात्रों को मेडल व सर्टिफिकेट प्रदान कर पुरस्कृत किया जाएगा। इस अवसर पर स्कूल के अध्यक्ष डॉक्टर सचिन यादव ,डायरेक्टर डॉक्टर गिरिराज, प्रिंसिपल डॉक्टर संजय कुमार सारंगी,श्रीमती रीना शर्मा,कैंपस प्रिंसिपल रंजन साहू वाइस प्रिंसिपल चूड़ामणि एग्जाम इंचार्ज उमाकांत राउल, रूबी दास पर्यवेक्षक चंद्र राम बरेठ सर और समाज शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे है।

पिथौरा विकासखण्ड के 135 शिक्षक हुए सम्मानित

पिथौरा (समय दर्शन)। विकासखंड शिक्षा अधिकारी समग्र शिक्षा पिथौरा द्वारा विकासखंड स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन कृषि उपज मंडी परिसर मे आयोजित किया गया। सम्मान समारोह मे अतिथियों द्वारा मां सरस्वती व छत्तीसगढ़ महतारी के तैल चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन, पुष्प अर्पित कर राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सांसद रुपकुमारी चौधरी एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक सम्पत अग्रवाल, अति विशिष्ट अतिथि ऊषा पुरषोत्तम घृतलहरे, विशेष अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष देवेश निषाद, जनपद उपाध्यक्ष ब्रम्हानंद पटेल, जिला पंचायत सदस्य रामदुलारी सिंहा, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष उषा पटेल, भाजपा मंडल अध्यक्ष आशीष शर्मा, युवा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य स्वप्निल तिवारी, जनपद सदस्य पुरर्षोत्तम घृतलहरे ,कवलजीत छाबड़ा, उषा श्रीवास्तव, पूर्व मंडल अध्यक्ष नरेश सिंघल, स्काउट गाइड संघ के अध्यक्ष सत्यनारायण अग्रवाल, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष विजय नायक, सांसद प्रतिनिधि मनमीत छाबड़ा, पार्षद मन्नूलाल ठाकुर ,युवा मोर्चा अध्यक्ष विजयराज पटेल, विधायक प्रतिनिधि सुरेंद्र पांडे, मनमोहन जैन, किशोर पटेल, संजय गोयल, नरेंद्र बोरे ने किया। तत्पश्चात विकासखंड के 135 शिक्षकों को अतिथियों ने शाल व मोमेंटो भेट कर सम्मानित किया। सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि की आसंदी से महासमुंद सांसद रूपकुमारी चौधरी ने कहा कि, देश की दशा और दिशा तय करने में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विधायक संपत अग्रवाल ने कहा कि एक डाक्टर इंजीनियर वैज्ञानिक या कोई भी पेशेवर अपने मुकाम तक पहुचते है तो उनके पीछे शिक्षक का ही हाथ होता है, शिक्षक ना केवल समाज का मार्गदर्शक होता है बल्कि राष्ट्र के भविष्य का निर्माता भी होता है।

डॉ. शरदचंद्र अग्रवाल ने समाज सेवा को समर्पित की पैतृक भूमि, पुलगांव मुक्तिधाम भवन का लोकार्पण सम्पन्न

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 55, पुलगांव में नवनिर्मित मुक्तिधाम भवन का लोकार्पण एक भावनात्मक और प्रेरणादायी अवसर पर सम्पन्न हुआ। यह मुक्तिधाम भवन डॉक्टर शरदचंद्र अग्रवाल द्वारा अपनी पैतृक भूमि समाज सेवा के लिए समर्पित करने से संभव हो पाया है। यह कार्य दुर्ग शहर ही नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए एक अद्वितीय मिसाल बन गया है।

यह भूमि प्रतिष्ठित समाजसेवी दाऊ स्व. राजीव लोचन अग्रवाल (घुघरू दाऊ) एवं उनकी धर्मपत्नी स्व. श्रीमती राधिका देवी अग्रवाल की पुण्य स्मृति में उनके सुपुत्र कृषक डॉ. शरदचंद्र अग्रवाल द्वारा समर्पित की गई है। इस पुनीत कार्य में उनकी बहनें, डॉ. (श्रीमती) सविता व्यास और डॉ. (श्रीमती) भावना अग्रवाल का भी सहयोग और मार्गदर्शन रहा।

डॉ. शरदचंद्र अग्रवाल ने इस अवसर पर कहा कि उन्हें अपने पूज्य माता-पिता से यह सीख मिली कि स्वयं के हित से बढ़कर परिवार का हित और परिवार के हित से बढ़कर समाज का हित होता है। इन्हीं सिद्धांतों को आत्मसात करते हुए उन्होंने यह भूमि समाज सेवा के लिए प्रदान की। उन्होंने कहा कि समाज सेवा से जुड़े कुछ कार्य व्यक्ति को सदैव जीवंत बनाए रखते हैं और यह मुक्तिधाम उसी भावना का प्रत्यक्ष उदाहरण है।

नवनिर्मित मुक्तिधाम परिसर में शेड और प्रतीक्षालय का निर्माण प्रशासन के सहयोग से सम्पन्न हुआ। इसके लोकार्पण के अवसर पर क्षेत्रीय जनता की भारी उपस्थिति रही और सभी ने इस कार्य की सराहना की।

कार्यक्रम में विशेष रूप से कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव, महापौर श्रीमती अलका बाघमार, सभापति श्याम शर्मा, आयुक्त सुमित अग्रवाल, एमआईसी सदस्यगण ड्ड नरेंद्र बंजारे, देवनारायण चंद्राकर, काशीराम कोसरे, ज्ञानेश्वर ताम्रकार, मनीष साहू, लीलाधर पाल, नीलेश अग्रवाल, पुलगांव पार्षद अश्विनी निषाद, मंडल अध्यक्ष कौशल साहू, महेंद्र लोढ़ा सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। इसके अलावा ग्रामवासी डॉ. राजेश साहू, लक्ष्मीकांत दुबे, रवि चौहान, दीपक निषाद, अशोक यादव, खोरबहरा निषाद (पूर्व पार्षद), कपिल, सुदामा यादव, सेवक एवं बड़ी संख्या में पुलगांव ग्रामवासी भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

समाज सेवा की प्रेरक मिसाल ..

यह आयोजन न केवल पुलगांव के लिए बल्कि पूरे दुर्ग शहर के लिए गर्व का विषय बना। डॉ. शरदचंद्र अग्रवाल का यह योगदान आने वाली पीढ़ियों के लिए समाज सेवा और लोकहित के कार्यों की प्रेरणा का स्रोत रहेगा।

स्वच्छता ही सेवा के तहत भेलवा तालाब में सामुहिक श्रमदान कर दिलाया गया शपथ

भिलाईनगर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ शासन नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा स्वच्छ भारत मिशन शहरी 2.0 के स्वच्छता ही सेवा अभियान अंतर्गत ''एक दिन, एक घंटा, एक साथ'' थीम पर शासन के मंशानुरूप महाश्रमदान, स्वच्छता शपथ, सफाई मित्रों का सम्मान, वृक्षारोपण एवं स्वच्छता रैली का आयोजन किया गया है।

नेहरू नगर स्थित भेलवा तालाब में दिनांक 25 सितम्बर गुरूवार को स्वच्छता ही सेवा अभियान का कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में सांसद विजय बघेल, कलेक्टर अभिजीत सिंह, आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय, नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा, महापौर परिषद के सदस्य लक्ष्मीपति राजू, संदीप निरंकारी, महेश वर्मा, पार्षद चंदेश्वरी बांधे, सांसद प्रतिनिधि प्रमोद सिंह की उपस्थिति रही। स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाने हेतु शपथ दिलाया गया। शहर में स्वच्छता क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सफाई मित्रों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। सांसद एवं कलेक्टर द्वारा स्वच्छता को अपने जीवन में उतारने के लिए उदबोधन दिया गया।

सांसद रूप कुमारी चौधरी एवं विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने की दुकानदारों और ग्राहकों से भेंट

प्रधानमंत्री के निर्णय को बताया ऐतिहासिक, हर वर्ग को होगा लाभ

पिथौरा(समय दर्शन)। नेक्स्ट जेन जीएसटी सुधार के तहत नई दरें 22 सितंबर से लागू हो गई है। इन सुधारों को देशभर में बचत उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। पिथौरा नगर में सांसद व विधायक की उपस्थिति में भाजपा कार्यकर्ताओं ने दुकानदारों और ग्राहकों को कम हुई दरों की जानकारी दी।

इस अवसर पर महासमुंद सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी और बसना विधायक संपत अग्रवाल ने नगर की विभिन्न दुकानों का भ्रमण कर व्यापारियों और ग्राहकों से संवाद किया। ग्राहकों ने खुशी जताते हुए कहा कि घटे हुए जीएसटी दरों से रोज़मर्रा की आवश्यक वस्तुएँ जैसे खाद्य सामग्री, दवाइयाँ, साबुन, टूथपेस्ट आदि अब अधिक किफायती दर पर उपलब्ध हो रही हैं, जिससे पारिवारिक बजट में वास्तविक बचत हो रही है।

दुकानदारों ने भी अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि नई दरों से कारोबार आसान हुआ है और व्यापार में पारदर्शिता आई है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया, कि नेक्स्ट जेन जीएसटी सुधार से उन्हें सीधा लाभ मिला है। सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी ने कहा कि, यह सुधार केवल कर सरलीकरण का प्रयास नहीं है, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को नई गति देने वाला ऐतिहासिक परिवर्तन है। विधायक संपत अग्रवाल ने भी इसे उद्योग, व्यापार और किसानों के लिए राहतकारी कदम बताते हुए प्रधानमंत्री का धन्यवाद किया। इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष उषा घृतलहरे, नगर पंचायत अध्यक्ष देवेश निषाद, मंडल अध्यक्ष आशीष शर्मा, जनपद उपाध्यक्ष ब्रह्मानंद पटेल, जिला पंचायत पूर्व अध्यक्ष उषा पटेल, पूर्व मंडल अध्यक्ष नरेश सिंघल आदि उपस्थित थे।

बिजली विभाग अधिकारियों की निकम्मापन की वजह से बिजली आपूर्ति बाधित

योगेश कुर्रे

सारंगढ़(समय दर्शन)। सबसे ज्यादा किसी विभाग को जनता गाली देती है तो ओ है बिजली विभाग हम ऐसा क्यों कह रहे चलिए आपको बताते है अगर हर गांव में एक पेटी रख दी जाएं की बिजली आपूर्ति से जनता कितनी खुश है? क्या उन्हें पर्याप्त मात्रा में बिजली आपूर्ति मिल रहा है या नहीं? लो वोल्टेज, बिजली गुल जैसे बिजली विभाग के लिए एक सुझाव मांगी जाए और जनता से अपनी राय बताए और एक छोटे से कागज के टुकड़े में लिख कर पेटी में डालने को कहे तो पेटी एक घंटे में भर जाएगी और पेटी में गालियां नाराजगी और आक्रोश भरी पत्र से ठूस ठूस कर जनता भर देगी इस कदर जनता बिजली समस्या से परेशान है सरकार या उनके मंत्री से सवाल पूछे की लगातार बिजली कटौती हो रही , घंटों बिजली गुल रहता, तो बड़े शान से कहते की कोई बिजली कटौती नहीं होती है हम पर्याप्त मात्रा में बिजली की आपूर्ति करते है ह नीचे स्तर पर टेक्निकल फॉल्ट होने की वजह से बिजली आपूर्ति बाधित होती कहती पल्ला झाड़ लेते है लेकिन असल सच्चाई तो यह है कि लगातार जनता लो वोल्टेज, या बिजली कटौती, या फिर फॉल्ट जैसे समस्या से दिन रात जूझ रहे है कई घंटों तक लगातार बिजली गुल रहता है, और अगर आ भी जाए तो लो वोल्टेज पर, हर दिन फॉल्ट जैसे समस्या बनी हुई है और इन सबका कारण

है बिजली विभाग की अधिकारियों का निकम्मापन के वजह से भाजपा विष्णु सरकार की छवि धूमिल हो रही है एक तरफभयंकर लाइट कटौती तो दूसरी तरफ बिजली बिल की भारी महंगाई की उपभोक्ता जनता मार झेल रहा है इस गैर जिम्मेदराना रवैया से सरकार की छवि धूमिल हो रही है ऐसे मत हो कि आने वाले समय मे बिजली की करेंट भाजपा पर पड़ जाये

सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले का सबसे घटिया बिजली सप्लाई करने वाला गुंडेली सब डिविजन

कहा जाता है कि बिजली कटौती, लो वोल्टेज, बिजली गुल या फॉल्ट जैसे समस्या तो पूरे जिले में लगातार बनी हुई है लेकिन सबसे ज्यादा अगर किसी सब स्टेशन को घटिया माना जाता है तो ओ है गुड़ेली सब डिविजन और सबसे दुर्भाग्य की बात सबसे घटिया फीडर जहां हर दिन फॉल्ट जैसे समस्या होती है ऐसा फीडर माना जाता है नौरंगपुर फीडर क्योंकि अधिकांश इस क्षेत्र की दर्जनों गांव में बिजली कटौती लो बोल्टेज, फॉल्ट हर दिन रहता है अधिकारी हर दिन और रात परमिट लेते रहते है लेकिन उसके बाद भी कोई सुधार नहीं और इतना ही नहीं बिजली विभाग मेंटेनेंस के नाम पर हर एक दो महीने में घंटों परमिट लेकर काम करने का दिखावा करते है लेकिन असल में बिजली विभाग जैसा घटिया और निकम्मापन आपको कही देखने को नहीं मिलेगा।

बिजली ठेका कर्मी और निचले कर्मचारी पर कार्यों का बोझ और उच्च अधिकारी निठल्लापन से बाहर नहीं आ रहे

अधिकांश आपको बिजली विभाग में निचले स्तर के कर्मचारी या ठेका कर्मी आपको दिन रात काम करते हुए मिलेगे पूरा कार्यों का बोझ उठा रहे लेकिन वही उन्हें ऊपर के अधिकारी जे आई, ए आई जैसे अधिकारियों में अपनी दफ्तरों में आराम फरमाते नजर आएंगे जहां न तो कभी ओ फिल्ड में उत्तर कर काम करेंगे और न ही अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे बल्कि साहब है साहबों वाली रौब में फोन से ड्यूटी करते नजर आयेगे जहां बस अधिकारी अपने निज जीवन या दफ्तर तक ड्यूटी करने से फुर्सत नहीं ओ कैसे किसी गांव या फील्ड में जाकर काम करवाएंगे नतीजा क्षेत्र की जनता लगातार बिजली कटौती से परेशान हैं थोड़ी सी बिजली गरजी, हवा चला, बारिश हुआ फिर आप बिजली सपनों के राजा है जो सपने में आयेगे लेकिन हकीकत में घंटों कटौती अभी वर्तमान में ही अधिकारियों की निकम्मापन की वजह से 24 घंटे से अधिक समय होने को है बिजली गुल है और आ भी रहा तो लो वोल्टेज और साथ ही मुश्किल से दो फेस पर बिजली उपर से अपडाउन जैसे समस्या बनी हुई है और अधिकारी मिट्ठू की तरह रटा रटाया जवाब देखवाता हु आ जाएगा जैसे गैर जिम्मेदाराना जवाब में भी साफसुस्ती और लापरवाही झलक उठता है लेकिन उसके बाद भी अधिकारियों को लगातार फोन कर जानकारी देने के बाद कभी नहीं जगती और न ही उन्हें जनता की पीड़ा महसूस होता है और न ही उन्हें बिजली विभाग की लापरवाही और कटौती नहीं चुभता है जाग जाए साहब जनता के नजरों में अधिकारी बने और सिर्फअधिकारी नहीं बल्कि जवाबदेही और जिम्मेदार अधिकारी बने

बिजली विभाग के अधिकारियों की सोशल मीडिया जम कर हो रही किरकिरी - लगातार सारँगढ़ नगर ,सालर और आसपास के जनप्रतिनिधियों में बिजली विभाग को लेकर काफी आक्रोशित है बताया जा रहा है अधिकारी और कर्मचारी सिर्फ ऑफिस तक सीमित है लाइट काटने पर घण्टो बनने में लगता है सैकड़ो बार फोन करने से कान में जु नही रेंगता है आक्रोशित जनताओं ने यहां तक कह रहे कि जल्द बिजली विभाग का घेराव आंदोलन करेंगे

एक्सक्लूसिव. लीजेंडरी. पेश है: ग्लोबल आइकॉन - Škoda Octavia RS की वापसी

रायपुर। Octavia RS की वापसी पर टिप्पणी करते हुए, Škoda Auto इंडिया के ब्रैंड डायरेक्टर आशीष गुप्ता ने कहा, इस साल की शुरुआत में, हमने वादा किया था कि एक ग्लोबल आइकॉन भारत में वापसी करेगा. आज मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि हमने Octavia RS के साथ उस वादे को पूरा किया है. यह बैज एक बेजोड़ विरासत को समेटे हुए है, जिसका जुनून दो दशकों से भी ज्यादा समय से दुनिया भर के जोशीले लोगों में कायम रहा है. भारत में बिल्कुल नई Octavia RS का ये लॉन्च सिर्फ़ एक कार की वापसी तक सीमित नहीं है. ये एक जज़्बे की वापसी है. एक ऐसा लीजेंड जो परफ़ॉर्मेंस, उमंगें और ड्राइविंग के सच्चे जज़्बे की निशानी है.

आइकॉन की प्री-बुकिंग- 2025 में अपनी वापसी के साथ, ब्रैंड न्यू Octavia RS एक बार फिर एक उम्मीदों के प्रतीक के रूप में अपनी जगह बना रही है, जो पहले से कहीं ज्यादा शार्प, बोल्ड और एक्सक्लूसिव है. Octavia RS की प्री-बुकिंग 6 अक्टूबर, 2025 को सीमित अवधि के लिए सिर्फ़ ऑफ़िशियल वेबसाइट पर शुरू होगी.

दृष्टि सुरक्षा की ओर कदम: अदाणी फाउंडेशन का विज़न केयर कार्यक्रम

रायगढ़,: अदाणी पॉवर लिमिटेड, रायगढ़ की सामाजिक पहल के तहत अदाणी फ़ाउंडेशन द्वारा स्थानीय स्कूलों के छात्रों एवं सामुदायिक स्तर पर नेत्र परीक्षण शिविर का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य दृष्टि संबंधी समस्याओं की प्रारंभिक पहचान और रोकथाम करना है।

विज़न केयर संस्था के सहयोग से अगले दो माह तक चलने वाले इस शिविर में 18 वर्ष से 60 वर्ष तक के ग्रामीणों का नेत्र परीक्षण किया जाएगा और ज़रूरतमंदों को नि:शुल्क चश्मों का वितरण भी किया जाएगा, जिसका आयोजन आसपास के उच्च माध्यमिक विद्यालयों एवं ग्रामों में किया जा रहा है।

बच्चों की पढ़ाई, महिलाओं के दैनिक गतिविधियों और बुजुर्गों की जीवन गुणवत्ता में सुधार को ध्यान में रखते हुए यह कार्यक्रम शुरू किया गया है।

इस पहल के अंतर्गत नि:शुल्क नेत्र जाँच, नि:शुल्क चश्मों का वितरण और ज़रूरतमंदों को उपयुक्त उपचार हेतु

रेफ़रल की सुविधा दी जा रही है।

कार्यक्रम के तहत 2000 से अधिक महिलाएँ, समुदाय के 18 से 60 वर्ष तक के लोग और 2000 से अधिक स्कूली बच्चे लाभान्वित होंगे। यह पहल भारत सरकार के राष्ट्रीय अंधत्व एवं दृष्टि दोष नियंत्रण कार्यक्रम (एनपीसीबीवीआई) के अनुरूप है।

कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. विनोद नायक (बीएमओ, पुसौर) की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई, जिनमें श्री ओम प्रकाश गुप्ता (सरपंच- बड़े भंडार), श्री पंचनन्दजी (शाला समिति अध्यक्ष), एसएमसी सदस्य तथा स्कूल स्टाफ शामिल रहे। इस पूरे कार्यक्रम में विज़न केयर से आए नेत्र परीक्षण विशेषज्ञों ने विस्तारपूर्वक जानकारी दी और बच्चों का परीक्षण किया।

स्थानीय समुदाय ने इस पहल की सराहना की और इसे जीवन की गुणवत्ता में सुधार हेतु एक सकारात्मक स्वास्थ्य हस्तक्षेप बताया।

प्रमुख वक्तव्य: श्री शशधर दास (चीफ बिज़नेस ऑफिसर) ने कहा, अदाणी फ़ाउंडेशन द्वारा आयोजित यह शिविर सराहनीय है। यह नेत्र परीक्षण शिविर हमारे समुदाय के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। इस पहल से न केवल लोगों को समय पर नेत्र जाँच की सुविधा मिलेगी, बल्कि स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी।

श्री अजीत राय (प्रोजेक्ट हेड) ने कहा, इस शिविर में न केवल नेत्र स्वास्थ्य की जांच की जा रही है, बल्कि लोगों को नेत्र सुरक्षा के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है।

डॉ. विनोद नायक (बीएमओ, पुसौर) ने अपने संबोधन में कहा, सरकार द्वारा प्राइमरी एवं मिडिल स्कूलों में नेत्र परीक्षण कार्यक्रम चलाया गया है।

जिसमें हाई एवं हायर सेकंडरी के बच्चे लाभ से वंचित रह गए थे। लेकिन अदाणी फ़ाउंडेशन की इस पहल की मैं सराहना करता हूँ और आशा करता हूँ कि भविष्य में भी ऐसे शिविर आयोजित होते रहेंगे।

एमवे इंडिया ने लॉन्च किया न्यूट्रिलाइट के गुणों से युक्त आर्टिस्ट्री स्किन न्यूट्रिशन की नेक्स्ट-जेन स्किनकेयर लॉन्च किए

रायपुर : आजकल भारत में लोग समय से पहले त्वचा पर बुढ़ापे की समस्याओं, प्रदूषण के असर, असमान रंगत और खुरदुरी त्वचा जैसी परेशानियों का सामना कर रहे हैं। इसी को देखते हुए, एमवे इंडिया, जो स्वास्थ्य और वेलनेस की अग्रणी कंपनी है, ने दो नए स्किनकेयर प्रोडक्ट्स लॉन्च किए हैं ड्ढ आर्टिस्ट्री स्किन न्यूट्रिशन डिफ़ेंड्रिंग सीरम और आर्टिस्ट्री स्किन न्यूट्रिशन करेक्टिंग सीरम। ये सीरम त्वचा पर बुढ़ापे के शुरुआती लक्षणों और कारकों को कम करते हैं। ये नए सीरम, आर्टिस्ट्री स्किन न्यूट्रिशन की हाइड्रेटिंग, बैलेंसिंग, और रिन्यूइंग एवं फ़र्मिंग रेंज पर आधारित हैं, जिन्हें अलग-अलग उम्र में बदलती स्किनकेयर ज़रूरतों को ध्यान में रखकर खास तौर पर तैयार किया गया था। न्यूट्रिलाइट की 90 वर्षों की बॉटेनिकल विशेषज्ञता के साथ बनाए गए ये सीरम, न्यूट्रिलाइट फ़ार्म पर उगाए गए प्राकृतिक तत्वों से तैयार किये गये हैं। ये त्वचा को कसावट, मुलायमपन और मजबूती देते हैं और प्रकृति व विज्ञान की ताक़त को मिलाकर त्वचा को जवां लुक प्रदान करते हैं। आर्टिस्ट्री स्किन न्यूट्रिशन डिफ़ेंड्रिंग सीरम स्किन पर एजिंग के शुरुआती लक्षणों को कम करने में मदद करता है, जबकि आर्टिस्ट्री स्किन न्यूट्रिशन करेक्टिंग सीरम गहरी झुर्रियों, ढीली त्वचा और एडवांस स्किन एजिंग के लक्षणों को सुधारने में मदद करता है। लॉन्च के अवसर पर एमवे इंडिया के प्रबंध निदेशक, श्री रजनीश चोपड़ा ने कहा, भारतीय स्किनकेयर मार्केट तेज़ी से बढ़ रहा है, जिसका मुख्य कारण है उपभोक्ताओं की बढ़ती जागरूकता, बढ़ती इनकम व खर्च करने की क्षमता और प्रीमियम व नैचुरल प्रोडक्ट्स की माँग। आजकल ज्यादा से ज्यादा लोग त्वचा की सेहत को महत्व देने लगे हैं। दरअसल, 70त्न शहरी उपभोक्ताओं ने बताया है कि अब वे स्किनकेयर के फ़ायदों को लेकर पहले से कहीं ज्यादा जागरूक हैं। यह बदलाव दिखाता है कि लोग अब सोच-समझकर और जागरूक होकर स्किनकेयर प्रोडक्ट चुन रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 71त्न भारतीय उपभोक्ता ऐसे स्किनकेयर उत्पाद पसंद करते हैं जो पौधों से बने प्राकृतिक तत्वों से तैयार हों। एमवे इंडिया के लिए यह एक शानदार अवसर है। हम गहन रिसर्च और परिणामों के ज़रिए उपभोक्ताओं की बदलती पसंद को समझते हैं, जिससे हमें नए और उपयोगी प्रोडक्ट्स बनाने की प्रेरणा मिलती है। आर्टिस्ट्री स्किन न्यूट्रिशन डिफ़ेंड्रिंग और करेक्टिंग सीरम का लॉन्च हमारे इस संकल्प को दर्शाता है कि हम विज्ञान और प्रकृति के मेल से प्रभावी स्किनकेयर उत्पाद उपलब्ध कराएँगे।

हम प्रोडक्ट इनोवेशन पर ध्यान देते रहेंगे, ताकि आधुनिक भारतीय उपभोक्ताओं की बदलती ज़रूरतों को पूरा कर सकें।

एमवे इंडिया की चीफ़ मार्केटिंग ऑफिसर अमृता असरानी के अनुसार, आज के उपभोक्ता ऐसे गुणवत्तापूर्ण उत्पाद खोज रहे हैं जो आत्मविश्वास, सशक्तिकरण और एजलेस ब्यूटी जैसी समय के साथ बदलती उनकी सोच से मेल खाते हों। एमवे इंडिया ने इस बदलाव को अपनाया है आर्टिस्ट्री स्किन न्यूट्रिशन के ज़रिए ड्ढ यह हमारी अगली पीढ़ी की स्किनकेयर रेंज है, जो न्यूट्रिलाइट की 90 वर्ष की बोटेनिकल विशेषज्ञता और आर्टिस्ट्री की 60 साल की एडवांस स्किन साइंस को साथ मिलाती है। हाइड्रेटिंग, बैलेंसिंग, और रिन्यूइंग एवं फ़र्मिंग रेंज पहले से ही टार्गेटेड स्किनकेयर रूटीन की जरूरत पूरा कर रही है। अब नए आर्टिस्ट्री स्किन न्यूट्रिशन डिफ़ेंड्रिंग और करेक्टिंग सीरम्स का लॉन्च इस रेंज को और आगे बढ़ा देता है।

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव में 'भाओना सीता पाताल गमन' की मनमोहक प्रस्तुति

रायपुर। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कहा कि इस नृत्य नाटिका भाओना के माध्यम से असम राज्य की संस्कृति और भावना का सशक्त प्रदर्शन हो रहा है, जिसे श्रीमंत शंकर देव ने लगभग 500 वर्ष पूर्व लिखा था। छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव अंतर्गत महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय में अंतर्राज्यीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस अवसर पर असम से आए कलाकारों ने पौराणिक ग्रंथ रामायण में वर्णित सीता पाताल गमन प्रसंग पर आधारित नृत्य-नाटिका भाओना सीता पाताल गमन की प्रभावशाली प्रस्तुति दी।

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव में 'भाओना सीता पाताल गमन' की मनमोहक प्रस्तुति- कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल ने कहा कि असम और छत्तीसगढ़ दोनों में रामायण कालीन संस्कृति की छाप स्पष्ट दिखाई देती है और दोनों राज्यों की सांस्कृतिक परंपराएं आपस में काफी

मिलती-जुलती हैं। श्री डेका ने असम के रहने वाले देश के विख्यात गायक श्री जुबीन गर्ग जिनका हाल ही में आकस्मिक निधन हो गया था, उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। राज्यपाल श्री डेका ने सभी कलाकारों को सम्मानित किया। इस अवसर पर विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, श्री सुनील सोनी, श्री रिकेश सेन अन्य जनप्रतिनिधि, राज्यपाल के सचिव डॉ. आर. प्रसन्ना, संस्कृति विभाग के संचालक एवं अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में दर्शकगण उपस्थित थे। कलाकारों की प्रस्तुति ने दर्शकों को भारतीय संस्कृति की विविधता और उसकी गहराई से अवगत कराया।

एक्शन टेसा ने राष्ट्रीय कारपेंटर दिवस मनाकर लकड़ी के फर्नीचर उद्योग के कारीगरों को किया सम्मानित

रायपुर। इंजीनियर्ड वुड पैनल उत्पादों के सबसे बड़े निर्माता और इस क्षेत्र में अग्रणी कंपनी एक्शन टेसा ने लगातार दूसरे वर्ष राष्ट्रीय कारपेंटर दिवस मनाया। इस अवसर पर कंपनी ने फर्नीचर उद्योग में काम करने वाले कारीगरों को सम्मानित किया ताकि इन कारीगरों को अलग पहचान मिल सके।

पिछले साल हुए आयोजन की शानदार सफलता के बाद, इस साल राष्ट्रीय कारपेंटर दिवस के अवसर पर कंपनी ने देश भर में 50 से ज्यादा स्थानों पर 'मेगा मीट' का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में हजारों की संख्या में कारीगरों ने फर्नीचर बनाने की कला को एक दूसरे से साझा किया और राष्ट्रीय कारपेंटर दिवस का जश्न मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ फिल्म अभिनेता अजय देवगन के प्रेरणादायक शब्द थे जिसमें उन्होंने कारीगरों के कार्य को सलाम किया और उनकी अदृश्य भूमिका की सराहना की। जिससे कारीगरों का उत्साहवर्धन भी हुआ। गौरतलब है कि पिछले वर्ष की सफलता के आधार पर, एमएसएमई के सहयोग

से विकसित तीन महीने के कौशल विकास कार्यक्रम, वुड पैनल प्रोसेसिंग टेक्निक्स ने सभी 30 छात्रों को 100त्न प्लेसमेंट दिलाया है। प्रत्येक छात्र को पाठ्यक्रम पूरा करने के तुरंत बाद नौकरी की पेशकश की गई, जो उच्च-गुणवत्ता वाले प्रशिक्षण और कार्यक्रम की उद्योग में मजबूत प्रासंगिकता का प्रमाण है। एक्शन टेसा द्वारा प्रायोजित यह कार्यक्रम युवा कारीगरों के उज्जवल भविष्य के लिए एक लॉन्च पैड बन गया है। इस अवसर पर, एक्शन टेसा के प्रबंध निदेशक, श्री अजय अग्रवाल ने कहा कि कारपेंटर फर्नीचर उद्योग की रीढ़ हैं क्योंकि उनके हाथ हर सपने को आकार देते हैं। टेसा सलाम और डब्ल्यूपीपीटी जैसी पहलों के साथ, हम न केवल आज उन्हें सम्मानित कर रहे हैं, बल्कि एक उज्जवल भविष्य की नींव भी रख रहे हैं। यह तो बस शुरुआत है और हम आने वाले वर्षों में कारपेंटर और उनके परिवारों के लिए और भी बेहतर अवसर पैदा करने के लिए तत्पर हैं।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय गार्डन में झाड़ू लगाकर दिया स्वच्छता का संदेश

उप मुख्यमंत्री अरुण साव और अधिकारियों ने किया श्रमदान

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने आज 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़ा के अंतर्गत बिलासपुर नगर निगम द्वारा आयोजित सामूहिक श्रमदान में सहभागिता करते हुए पंडित दीनदयाल उपाध्याय गार्डन और उसके आसपास के स्थानों की सफ़ाई की और स्वच्छता का संदेश दिया। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने इससे पूर्व एकात्म मानववाद के प्रणेता, प्रसिद्ध विचारक एवं चिंतक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उन्हें सादर नमन किया। उन्होंने दीनदयाल गार्डन में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री साव ने गार्डन में विधायक श्री धरमलाल कौशिक और अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ झाड़ू लगाकर कचरा साफ किया। उन्होंने स्वच्छता दीदियों को साड़ी और किट भी वितरित किए। बिलासपुर नगर निगम की महापौर श्रीमती पूजा विधानी, सभापति श्री विनोद सोनी, कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, निगम

आयुक्त श्री अमित कुमार और जिला पंचायत के सीईओ श्री संदीप अग्रवाल भी अभियान में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कार्यक्रम में कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय देश के बड़े विचारक और चिंतक थे। उन्होंने आधुनिक राजनीति को एक नई दिशा दी। देश की विरासत के अनुरूप हमारा देश तरक्की करे, ये उनका विचार था। उनकी विचारधारा के अनुरूप देश को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और छत्तीसगढ़ को मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आगे ले जा रहे हैं। पंडित श्री उपाध्याय अंत्योदय के प्रणेता थे, जिनका मानना था कि सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक मिले। इस दिशा में आज पूरे देश में कार्य किए जा रहे हैं। पीएम आवास, आयुष्मान भारत योजना, सबके घरों में शौचालय, उज्ज्वला योजना इसका प्रमाण है। इन सभी योजनाओं से देश के ज़रूरतमंद परिवार लाभान्वित हो रहे हैं।

श्री साव ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, बाबा साहेब अंबेडकर और पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने स्वच्छता को जीवन में सर्वोच्च स्थान दिया। इसका सीधा संबंध हमारी बेहतरी और स्वास्थ्य से है। भारत सरकार और राज्य सरकार स्वच्छता पर लगातार काम कर रही है। जनभागीदारी और सबके सहयोग से यह अभियान पूरा और सफ़ल होगा। श्री साव ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी नागरिकों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। उन्होंने पौधारोपण भी किया।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने व्यापार विहार व्यापारी संघ के साथ बैठक कर जीएसटी 2.0 पर चर्चा की। उन्होंने इस दौरान बताया कि जीएसटी 2.0 ने बाजार पर भरोसा बढ़ाया है। आम जनता और व्यापारी इससे खुश हैं। जीएसटी 2.0 से खरीदारी सस्ती हुई है और देश में आर्थिक उत्साह बढ़ा है। जीएसटी में किए गए बदलाव पर व्यापारी संघ ने हर्ष जताया। श्री साव ने बैठक के बाद पीएम स्वनिधि के हितग्राहियों को यूपीआई बॉक्स वितरित किए।

संक्षिप्त समाचार

सैमसंग भारत में 'एआई होम : फ्यूचर लिविंग, नाउ' लेकर आया

मुंबई। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज जियो वर्ल्ड प्लाज़ा, बीकेसी, मुंबई में अपने प्रमुख स्टोर पर एआई होम: फ्यूचर लिविंग, नाउ विज़न को प्रस्तुत किया। सैमसंग एआई होम एक अगली पीढ़ी का कनेक्टेड लिविंग इकोसिस्टम है, जो उपकरणों, डिवाइसेस और सेवाओं को एकसाथ लाता है और बेजोड़ सुविधा, ऊर्जा दक्षता और व्यक्तिगत अनुभव प्रदान करता है। इन सबमें सुरक्षा और गोपनीयता को सबसे अधिक महत्व दिया गया है। इस लॉन्च का केंद्र है सैमसंग का फ्यूचर लिविंग विजन: एक ऐसी दुनिया की शुरुआत करना जहां इंटेलिजेंस केवल एक डिवाइस तक सीमित न हो, बल्कि हर स्क्रीन, उपकरण और सर्विस में आसानी से शेयर हो सके। एआई होम इस विजन को तीन मुख्य ताकतों के माध्यम से साकार करता है - एआई में सैमसंग का नेतृत्व, इसके डिवाइस पोर्टफ़ोलियो की अनूठी रेंज, और एक भरोसेमंद, सुरक्षित इकोसिस्टम। अब एक ऐसे घर की कल्पना कीजिए, जो आपको जानता हो। जैसे ही आप घर आते हैं, लाइट्स अपने आप जल जाती हैं, एयर कंडीशनर आपके सोने के लिए सही टेम्परेचर पर सेट हो जाता है, वॉशिंग मशीन आपको सही वॉशिंग मोड सुझाती है, और टीवी आपका पसंदीदा शो शुरू करने के लिए तैयार हो जाता है ड्ढ और यह सब अपने आप ही हो जाता है। सैमसंग एआई होम इस रोज़मर्रा के अनुभव को सिर्फ़ कुछ लोगों के लिए नहीं, बल्कि सभी के लिए हकीकत बनाता है। एम्बियंट इंटेलिजेंस से लक्षित, सैमसंग का एआई होम सिस्टम यूजर के व्यवहार और पर्यावरणीय संकेतों से लगातार सीखता है ताकि आराम, देखभाल, ऊर्जा बचत, और सुरक्षा को ऑटोमेट किया जा सके। एक एयर कंडीशनर जो आपके आराम के दौरान अपने आप टेम्परेचर सेट करता हो, एक रेफ़्रिजरेटर जो आपके डाइटरी गोल्स के मुताबिक भोजन सुझाए, और स्मार्टथिंग्स-इनेबल्ड डिवाइस जो बैकग्राउंड में आसानी से सिंक हो - हर इंटरैक्शन को प्रासंगिक और मानव-केंद्रित इंटेलिजेंस के साथ समृद्ध किया गया है।

सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो 2025 ने ग्रैंड फिनाले के लिए 20 फाइनलिस्ट टीमों की घोषणा की

गुरुग्राम: सैमसंग, भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, ने आज अपनी अखिल-भारतीय इनोवेशन प्रतियोगिता सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो 2025 के चौथे संस्करण की शीर्ष 20 फ़ाइनलिस्ट टीमों की घोषणा की। फ़ाइनलिस्टों में ग्रामीण भारत, टियर 2 और टियर 3 शहरों के 12 राज्यों के प्रतिभाशाली युवा शामिल हैं, जो इस कार्यक्रम के उस दृष्टिकोण को दर्शाते हैं जिसमें युवा चेंजमेकर्स को प्रोत्साहित किया जाता है कि वे अपने समुदायों की विभिन्न समस्याओं को तकनीक के माध्यम से हल करें। इस साल, एक 14 वर्षीय प्रतिभाशाली फ़ाइनलिस्ट के रूप में चुना गया, एक पूरी तरह से लड़कियों की टीम फ़ाइनल राउंड में पहुँची, और पूर्वोत्तर भारत से दो टीमें शीर्ष 20 में शामिल हुईं। ये टीमें नए आविष्कारों पर काम कर रही हैं, जैसे कि एआई आधारित समाधान जो दृष्टिबाधित लोगों को अकेले शतरंज खेलने में मदद करता है, ड्रोन जो प्रदूषण का डेटा इकट्ठा करते हैं और वॉक्सेल मैप बनाते हैं। साथ ही, इनमें एआई निगरानी प्रणाली वाले ड्रोन भी शामिल हैं जो अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर घुसपैठ और सुरक्षा समस्याओं की चेतावनी देते हैं।

मोटोरोला ने फ्लिपकार्ट बिग बिलियन डेज़ पर अपनी फेस्टिव सेल शुरू की

नईदिल्ली। इस सीजन में त्योहारी शॉपिंग को आनंददायक बनाने के लिए तैयार है। यह सेल फ्लिपकार्ट पर आज रात 12 बजे से लाइव हो गई है। सभी डिवाइसेस सेल की अवधि के दौरान आकर्षक बिग बिलियन डेज दामों पर उपलब्ध होंगे।

motorola edge 60 PRO- इस बिग बिलियन डेज़ में motorola edge 60 PRO 8+256GB, जिसकी मूल कीमत 29,999 रुपये है, अब केवल 24,999* रुपये में उपलब्ध है, जो इसे एक शानदार फ्लैगशिप डील बनाता है। इसमें मोटोएआई के साथ सेगमेंट का पहला पैनटोन द्ध वैलिडेटेड ट्रिपल 50MP कैमरा सिस्टम है, जिसमें Sony LYTIA 700C मेन कैमरा, 50MP अल्ट्रावाइड + मैक्रो, 10MP टेलीफ़ोटो (3X ऑप्टिकल और 50X AI सुपर ज़ूम), और 50MP सेल्फ़ी कैमरा शामिल है। एआई-ड्रिवेन स्टेबिलाइज़ेशन, एआई फ़ोटो एन्हांसर, और गूगल फ़ोटोज़ के एआई मैजिक इरेज़र जैसे टूल्स के साथ प्रोफ़ेशनल-ग्रेड फ़ोटो और 4K वीडियो कैप्चर करें।

एसबीआई कार्ड और इंडिगो के बीच हुई महत्वपूर्ण साझेदारी; इंडिगो एसबीआई कार्ड किया लॉन्च

नई दिल्ली : भारत में क्रेडिट कार्ड जारी करने वाली सबसे बड़ी कंपनी, एसबीआई कार्ड और भारत की सबसे पसंदीदा एयरलाइन, इंडिगो ने आज इंडिगो ब्लूचिप लॉयल्टी प्रोग्राम के तहत इंडिगो एसबीआई कार्ड के लॉन्च की घोषणा की। इस प्रीमियम को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड को दो अलग-अलग वेरिएंट, यानी इंडिगो एसबीआई कार्ड और इंडिगो एसबीआई कार्ड एलीट में लॉन्च किया गया है, ताकि अक्सर यात्रा करने वालों को शानदार रिवार्ड्स के साथ फ़ायदेमंद अनुभव मिल सके। इस कार्ड के ग्राहकों को इंडिगो के इकोसिस्टम में उपलब्ध सभी सेवाओं के साथ-साथ होटल और ट्रैवल बुकिंग सहित दूसरी श्रेणियों में किए गए सभी खर्चों पर रिवॉर्ड्स मिलेंगे। ग्राहक इस कार्ड के लिए एसबीआई कार्ड स्प्रिंट के ज़रिए, या फिर एसबीआई कार्ड की वेबसाइट SBI Card.com पर जाकर डिजिटल तरीके से आवेदन कर सकते हैं, साथ ही वे एसबीआई कार्ड के रिटेल कियोस्क पर जाकर ऑफ़लाइन आवेदन का विकल्प भी चुन सकते हैं। इंडिगो एसबीआई कार्ड को ग्राहकों के लिए हर यात्रा को रिवॉर्ड्स से भरपूर और ज्यादा सहज बनाने के लिए काफ़ी सोच-समझकर डिज़ाइन किया गया है, जिससे आपकी हर यात्रा बेहद फ़ायदेमंद और शानदार बन जाती है। कार्डधारकों को इंडिगो के इकोसिस्टम में उपलब्ध सेवाओं पर खर्च के लिए इंडिगो एसबीआई कार्ड एलीट का उपयोग करने पर 7 प्रतिशत और इंडिगो एसबीआई कार्ड का उपयोग करने पर 3 प्रतिशत रिवॉर्ड्स मिलेंगे। ग्राहक दूसरे प्लेटफ़ॉर्म पर भी होटल और ट्रैवल बुकिंग के लिए इंडिगो एसबीआई कार्ड एलीट का इस्तेमाल करके किए गए खर्च पर 3 प्रतिशत और इंडिगो एसबीआई कार्ड पर 2 प्रतिशत रिवॉर्ड्स का लाभ उठा सकते हैं।

संपादकीय

आपदा आने तक सरकारी महकमा प्रतिक्षारत

मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार उत्तराखंड में बारिश से राहत मिलने के फिलहाल कोई आसार नहीं हैं। देहरादून और नैनीताल में भारी बारिश, गर्जन और आकाशीय बिजली गिरने की चेतावनी है। देहरादून के सहस्त्रधारा में बादल फटने के बाद भारी तबाही हुई है। नदियों में उफान से कई लोगों की मौत हो गई है और ढेरों लापता हैं। उत्तराखंड के कुछ इलाकों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। तेरह पुल प्रभावित बताए जा रहे हैं। ऋषिकेश में चन्द्रभागा नदी का जलस्तर सामान्य से ऊपर होने के चलते विशेष चेतावनी दी गई है। राष्टीय आपदा प्रतिक्रिया बल जलधाराओं में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने में भारी मशक्कत कर रहा है। राज्य की सड़कें, पुल, बिजली की तारें, संचार व्यवस्था सब बुरी तरह प्रभावित होने से स्थानीय नागरिकों का जीना बेहाल है। जिन परिवारों के घर बह गए या ढह गए, उनकी रिहाइश और जीवन यापन की आवश्यकताओं को लेकर भारी दिक्कते हैं। स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा चुकी हैं। राहत, बचाव व पुनर्वास के दावे जिस तरह सरकार करती है, जमीनी स्तर पर प्रभावित लोगों तक पहुंचना मुमकिन नहीं होता। जनता बेहाल है, जिस तक पहुंचने के साधन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हैं। मानसून ने इस वर्ष देश के विभिन्न हिस्सों में भारी तबाही मचाई है। हिमाचल में भारी बारिश और भूस्खलन के चलते चार सौ से अधिक मौतें हो चुकी हैं। हालांकि यह मानसून का अंतिम चरण है। मगर बादल फटने या भूस्खलन ने तबाही मचाई हुई है। बिहार के कुछ इलाके अभी भी जलमग्न हैं, और कुछ क्षेत्रों में भारी बरसात की चेतावनी है। प्रति वर्ष भारी संख्या में नागरिकों को स्वास्थ्य, बिजली, परिवहन, रिहाइश के अतिरिक्त रोजगार के संकट भी बुरी तरह जूझना पड़ता है। ये प्राकृतिक आपदाएं नहीं हैं, बल्कि मौसमी मार है, जिससे जूझने के प्रति सरकारों के पास कोई खाका नहीं है। मौसम विज्ञानियों के चेताने के बावजूद सरकारी महकमा आपदा आने तक प्रतिक्षारत रहता है। पीड़ितों को जो या जिस तरह की राहत मिलनी चाहिए वह नहीं मिल पाती। बरसाती पानी घटने या बाढ़ के बाद होने वाली जल-जनित बीमारियों, संक्रामक रोगों, मकानों, भवनों, पशुओं व रोजगार की व्यवस्था को लेकर दिन-रात एक करना मजबूरी हो जाती है। बाढ़ व बरसात के चलते अर्थव्यवस्था व उपज पर पड़ने वाली क्षति को रोक पाना लगभग असंभव है। मगर सरकारी तंत्र को मौसमी मार के पूर्व व उपरांत की समस्याओं से जूझने के तरीके सलीके से इख्तियार करने होंगे।

'सस्ते दिनों' का शुभारंभ

इसमें प्रधानमंत्री के राष्ट्र के नाम संबोधन का विषय क्या था? जिस दिन जीएसटी परिषद ने दरें घटाने का सर्वसम्मत निर्णय लिया था, उसके बाद ही देश को सांगोपांग जानकारी मिल गई थी कि जीएसटी सुधार लागू किए जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लालकिले की प्राचीर से भी राष्ट्र को संबोधित करते हुए दीपावली के 'दोहरे तोहफे' की बात कही थी। चूंकि शारदीय नवरात्रि से 'सस्ते दिनों' का आगाज हुआ है, लिहाजा जीएसटी सुधार लागू करने को शक्ति की उपासना के पर्व-दिवस से जोड़ दिया गया। यह प्रधानमंत्री के 20 मिनट के राष्ट्रीय संबोधन का विषय नहीं था। यदि इस संबोधन से जन-समर्थन जुगाड़ने की मंशा जुड़ी है, तो उस राजनीति के लिए प्रधानमंत्री को रोका नहीं जा सकता। जीएसटी पर राजनीति कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी की है, जब उन्होंने बयान दिया कि 8 सालों में 55 लाख करोड़ रुपए जीएसटी के रूप में वसूल लिए गए। अब बिल्ली हज करने चली है। बहरहाल राजनीति को छोड़ कर हम जीएसटी सुधारों की बात करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने इसे 'बचत का उत्सव' भी करार दिया है। इन सुधारों को देश की आत्मनिर्भरता और स्वदेशी संकल्प से भी जोड़ा है, लिहाजा ये आह्वान प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय संबोधन के लिए जरूरी महसूस किए होंगे! प्रधानमंत्री मोदी ने देश को भरोसा दिलाया है कि जीएसटी सुधार लागू होते ही, नवरात्रि के सूर्योदय के साथ ही, 375 से अधिक वस्तुएं सस्ती हो जाएंगी। करीब 99 फीसदी वस्तुएं या तो 5 फीसदी जीएसटी के दायरे में होंगी अथवा बिल्कुल 'शून्य कर' वाली होंगी। मसलन कैंसर समेत 33 जीवनरक्षक दवाओं को बिल्कुल 'कर-मुक्त' किया गया है। यकीनन इन 'सस्ते दिनों' से गरीब, मध्यम वर्ग, युवा, महिला, किसान, दुकानदार, व्यापारी, उद्यमी आदि को फायदा होगा। 'क्रिसिल' एजेंसी की ताजा रपट के मुताबिक, हर शहरी को हर माह औसतन 1819 रुपए और ग्रामीण को औसतन 1154 रुपए की बचत होगी। मासिक खर्च करीब 27 फीसदी तक घट सकता है। बेशक आम आदमी की जेब में पैसा होगा, तो उसकी क्रय-शक्ति और मांग में बढ़ोतरी होगी। मांग के साथ बाजार भी फलेगा-फूलेगा। बाजार में बढ़ोतरी होगी, तो कंपनियां और छोटे, कुटीर उद्योग भी अपने उत्पादन को गति देंगे। उसे बढ़ाएंगे। उत्पादन बढ़ेंगे, ज्यादा कारोबार होगा, तो देश की अर्थव्यवस्था का भी विस्तार होगा। 2025-26 वित्त वर्ष के अंत तक भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकेगा। इन संभावनाओं के साथ ही जीएसटी सुधारों की अग्नि-परीक्षा जुड़ी है। प्रधानमंत्री मोदी का आकलन है कि इन सुधारों के लागू होने से देश के नागरिकों को 2.5 लाख करोड़ रुपए की बचत होगी, लिहाजा यह 'बचत का उत्सव' भी है। जीएसटी सुधारों के संदर्भ में सबसे अहम और बुनियादी सवाल यह है कि क्या खुदरा बाजार के स्तर पर आम ग्राहक को घटी दरों पर सामान मिलेगा? पुरानी एमआरपी वाली वस्तुएं भी क्या घटी दरों पर उपलब्ध होंगी? फिलहाल सरकार ने आश्वस्त किया है कि दुकानदार घटी दरों पर ही सामान बेचेंगे। जीएसटी रिटर्न फाइल करते समय दुकानदार इसे एडजस्ट कर सकते हैं। सवाल यह भी है कि क्या इन सुधारों को पूरी तरह लागू करने में केंद्र और राज्य सरकारों का परस्पर सहयोग संभव होगा, क्योंकि कई राज्यों में विपक्ष की सरकारें हैं? राज्य इन सुधारों को लागू जरूर करेंगे, लेकिन उन्होंने कहना शुरू कर दिया है कि दरें घटाने से उन्हें करीब 48,000 करोड़ रुपए का नुकसान होगा, लिहाजा केंद्र इसकी भरपाई की शुरुआत अभी से करे। विरोधाभास है कि आटा, चावल, गेहूं, दालें, ताजा सब्जियां, फल, दूध, दही, छाछ, अंडे, नमक, प्राकृतिक शहद और पेयजल (पैक्ड छोड़ कर) आदि के दामों पर कोई असर नहीं होगा।

मोदी-ट्रंप के सार्थक संवाद से क्या राह बदलेगी?

ललित गर्ग

नई दिल्ली में भारत-अमेरिकी व्यापार वार्ता की बाधाओं को दूर करने पर दोनों पक्षों के बीच सकारात्मक बातचीत के दौरान करीब तीन महीने बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फोन करके जन्मदिन की बधाई देते हुए रूस-यूक्रेन युद्धविराम का समर्थन करने के लिए आभार जताना, दोनों देशों के बीच रिश्तों में आई तल्खी को कम करने की कोशिश मानी जानी चाहिए। मोदी और ट्रंप के बीच हुई इस बातचीत ने दोनों देशों के रिश्तों में नई आशा और सकारात्मकता का संचार किया है। क्योंकि अमेरिका के एकतरफा टैरिफ और कुछ तीखे बयानों के बावजूद भारत ने संयम बरता एवं तीखी प्रतिक्रिया की बजाय मसले के सुलझने का इंतजार करते हुए विवेक एवं समझदारी का परिचय दिया। भारत पर थोपे गए ट्रंप के 50 प्रतिशत टैरिफ को लेकर अमेरिका में साफ तौर पर दो विरोधी स्वर सुनाई पड़ रहे हैं। ऐसे माहौल में जरूरी हो गया है कि दोनों देशों के बीच शीर्ष स्तर पर संवाद जारी रहे। इसी बात को अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने स्वीकार करते हुए यह उम्मीद जताई थी कि आखिरकार अमेरिका और भारत साथ आएंगे, यही मौजूदा वक्त की सबसे बड़ी जरूरत है। मोदी एवं ट्रंप का ताजा संवाद इसी की निष्पत्ति बना है। यह संवाद मोदी के 75वें जन्मदिवस के अवसर पर हुआ और इसमें अतीत की कई कड़वाहटों को पीछे छोड़कर भविष्य की संभावनाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। दरअसल, दोनों नेताओं की बातचीत का बड़ा कारण शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में रूस, चीन और भारत के शीर्ष नेताओं की गर्मजोशी भी बना, उससे ट्रंप की चिंताएं बढ़ी थी, इस बैठक के बाद ही पहली बार ट्रंप के रुख में नरमी के संकेत मिले थे। उसके बाद दस सितंबर को फिर ट्रंप ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार वार्ताओं की बाधाओं को दूर करने पर बातचीत जारी है। ताजा वार्ता ने यह संदेश दिया कि भारत और अमेरिका के रिश्ते किसी एक घटना या परिस्थिति पर निर्भर नहीं, बल्कि दीर्घकालीन रणनीति और साझा हितों की नींव पर खड़े हैं।

आज की दुनिया में भारत और अमेरिका का रिश्ता केवल द्विपक्षीय ही नहीं, बल्कि वैश्विक परिदृश्य को भी प्रभावित करता है। अमेरिका जहां विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और सैन्य शक्ति है, वहीं भारत उभरती हुई आर्थिक ताकत और सबसे बड़ा लोकतंत्र है। दोनों की साझेदारी लोकतांत्रिक मूल्यों, पारदर्शिता और वैश्विक शांति की आकांक्षाओं पर आधारित है।

हाल के वर्षों में कभी-कभी मतभेद जरूर सामने आए-जैसे व्यापार शुल्क, वीजा नीतियां, भारत-पाक सीजफायर और रक्षा समझौते इन मतभेदों के बावजूद रणनीतिक साझेदारी मजबूत होती रही है। भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक संबंध लंबे समय से चर्चा का विषय रहे हैं। कभी शुल्क वृद्धि को लेकर तनाव हुआ, तो कभी आयात-निर्यात की नीतियों को लेकर असहमति। किंतु ट्रंप-मोदी वार्ता के बाद एक बार फिर नए समझौते और अवसर सामने आ सकते हैं। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और आईटी, सेवा क्षेत्र, ऊर्जा और तकनीकी निवेश में दोनों के बीच गहरा सहयोग है। प्रधानमंत्री मोदी ने व्यापारिक अड़चनों को दूर करने पर जोर दिया है और ट्रंप ने भी व्यापार घाटे को कम करने के लिए सहयोग का संकेत दिया। यह संकेत आने वाले समय में द्विपक्षीय व्यापार को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकते हैं।

भारत और अमेरिका का रक्षा सहयोग पिछले एक दशक में तेजी से बढ़ा है। अमेरिका ने भारत को महत्वपूर्ण रक्षा तकनीक उपलब्ध कराई है और संयुक्त सैन्य अभ्यासों से सुरक्षा साझेदारी मजबूत हुई है। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए भारत-अमेरिका का रक्षा सहयोग न केवल द्विपक्षीय है, बल्कि पूरे क्षेत्रीय संतुलन के लिए अहम है। चीनी मनमानी पर नियंत्रण के लिए अमेरिका को खासतौर पर भारतीय सहयोग की जरूरत है। इसी मकसद से क्वॉड का गठन किया गया, जिसे अमेरिकी सरकार ने तवज्जो भी दी। लेकिन, ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी की वजह से क्वॉड के भविष्य पर सवाल उठने लगे हैं। वहीं, वॉशिंगटन में यह भी चिंता बनी कि पिछले दो दशकों में भारत-अमेरिका रिश्तों में जो प्रगति हुई थी, वह ट्रंप की महत्वाकांक्षाओं एवं अतिशयोक्तिपूर्ण हरकतों से पिछले कुछ दिनों में बेकार होती हुई दिख रही थी। लेकिन देर आये दुरस्त आये की कहावत के अनुसार दोनों शीर्ष नेताओं की बातचीत से अब अंधेरे छंटते हुए दिख रहे हैं। अमेरिका चाहता है कि भारत हिंद-प्रशांत क्षेत्र में संतुलन कायम रखने में और बड़ी भूमिका निभाए, वहीं भारत अपनी सामरिक स्वतंत्रता बनाए रखते हुए सहयोग को और गहरा करना चाहता है।

भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में अमेरिका एक अहम सहयोगी बन सकता है। अमेरिका से तरलीकृत प्राकृतिक गैस और कच्चे तेल का आयात बढ़ रहा है। यह न केवल ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेगा, बल्कि भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था को भी नई गति देगा। तकनीकी क्षेत्र में भी दोनों देशों के बीच साझेदारी मजबूत है। सूचना प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा, अंतरिक्ष अनुसंधान और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में सहयोग आने वाले दशकों के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकता है। अमेरिका में बसे भारतीय मूल के लोग दोनों देशों के बीच सेतु का कार्य कर रहे हैं। चाहे राजनीति हो, शिक्षा, स्वास्थ्य या तकनीक-भारतीय-अमेरिकी समुदाय का योगदान उल्लेखनीय है। यह समुदाय भारत और अमेरिका के बीच रिश्तों को भावनात्मक और सांस्कृतिक आधार देता है। ट्रंप और मोदी की बातचीत में भारतीय प्रवासी समुदाय की प्रशंसा भी हुई, जिसने दोनों देशों के बीच विश्वास और निकटता को और बढ़ाया।

भारत और अमेरिका दोनों आतंकवाद से प्रभावित रहे हैं। 9/11 की घटना ने अमेरिका को और 26/11 ने भारत को गहरे जख्म दिए। यही कारण है कि आतंकवाद के खिलाफ दोनों का दृष्टिकोण काफी हद तक समान है। हाल की बातचीत में आतंकवाद को समाप्त करने और सुरक्षा सहयोग को बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। अफगानिस्तान और मध्य-एशिया की परिस्थितियों को देखते हुए भारत और अमेरिका का सहयोग वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए निर्णायक हो सकता है। ट्रंप और मोदी की बातचीत ने यह साबित किया है कि अतीत के मतभेद रिश्तों का अंत नहीं, बल्कि नए संवाद का अवसर बन सकते हैं। व्यापार, रक्षा, ऊर्जा, तकनीक और आतंकवाद जैसे क्षेत्रों में सहयोग दोनों देशों के लिए लाभकारी है। आज जब दुनिया वैश्विक महामारी, आर्थिक संकट, युद्ध की विभीषिका और भू-राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रही है, भारत और अमेरिका की साझेदारी नई दिशा और स्थिरता का संकेत देती है। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार-वार्ता में बेशक व्यवधान आए हों, पर भारत और यूरोपीय संघ के बीच जिस गति से वार्ता हो रही है, उससे वर्ष के अंत तक दोनों में व्यापार समझौता होने की पूरी उम्मीद है। असल में दोनों देशों के बीच पांच दौर की व्यापार वार्ता हो चुकी है, लेकिन 50 फीसदी टैरिफ लगाए जाने के बाद छठे दौर की प्रस्तावित वार्ता रुक गई थी, जो बीते मंगलवार से फिर पटरी पर लौट आई है। दरअसल, ट्रंप प्रशासन चाहता है कि भारत अपने कृषि एवं डेयरी क्षेत्र को अमेरिकी कंपनियों के लिए पूरी तरह से खोले, लेकिन भारत के लिए यह संभव नहीं है, क्योंकि यह उसके किसानों व मछुआरों के हितों के खिलाफ है। भारत पहले ही कह चुका है कि वह किसानों, डेयरी उत्पादकों एवं एमएसएमई के हितों से कोई समझौता नहीं करेगा। दोनों देशों के बीच पिछले एक दशक में द्विपक्षीय व्यापार लगभग दोगुना हो गया है और इसे 2030 तक 500 बिलियन डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। लेकिन यह तभी संभव था, जब मौजूदा गतिरोध खत्म हो और इसके लिए बातचीत ही रास्ता है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का महत्वपूर्ण हिस्सा बने रहने के लिए भारत दूसरे देशों के साथ भी मुक्त व्यापार समझौते कर रहा है। भले ही डोनाल्ड ट्रंप पर अधिक भरोसा नहीं कर सकते, लेकिन सवाल यह है कि अब उनकी तरफ से दिखाई जा रही नरमी को क्या एक संकेत माना जाए कि इससे कोई नई राह निकलेगी। अड़ियल रुख अपनाने के बजाय अमेरिका को भारतीय नजरिया समझने की जरूरत थी, अब अमेरिका भारत का नजरिया समझने को तत्पर हुआ है तो निश्चित ही इसके दूरगामी परिणाम आयेंगे।

लुत्फ उठाइए भविष्य के स्वाद का

चिराग पासवान द्वारा

केंद्रीय मंत्री के रूप में सितंबर 2024 में मेरा पहला वर्ल्ड फूड इंडिया (डब्ल्यूएफआई) मेरे लिए यादगार अनुभव रहा । उन चार दिनों के दौरान, मैंने खेत से लेकर भोजन की थाली तक के पूरे इकोसिस्टम : वैश्विक खरीदारों के साथ राज्यों के मंडप, प्रौद्योगिकी के प्रदर्शनों के साथ-साथ एफपीओ और एसएचजी, और निवेश घोषणाओं के साथ-साथ नीतिगत संवाद को - एक साथ आते देखा। इसने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीजी के दृष्टिकोण के अनुरूप भारत को विश्व की खाद्य टोकरी बनाने के एक रणनीतिक मंच के रूप में डब्ल्यूएफआई की भूमिका की पुष्टि की

उस अनुभव ने 2025 की रूपरेखा तैयार की । खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की यात्राओं, उद्योग जगत के दिग्गजों के साथ संवाद तथा गल्फूड और डब्ल्यूईएफ जैसे वैश्विक मंचों पर भागीदारी से मेरी यह धारणा और ज्यादा प्रबल हुई कि दुनिया को भारत की कृषि-खाद्य विविधता और क्षमताओं को देखने की जरूरत पहले से कहीं अधिक है । हमने अगले संस्करण को और भी ज्यादा साहसिक और परिणाम-केंद्रित बनाने, नवाचार को निवेश में बदलने और भारत को विश्वसनीय वैश्विक खाद्य केंद्र के रूप में स्थापित करने का संकल्प लिया।

इस महत्वाकांक्षा को नीतिगत अनुकूल परिस्थितियों, खासकर अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों से बल मिला है। अधिकांश प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों पर पाँच या शून्य प्रतिशत कर लगाकर, इन सुधारों ने इस क्षेत्र के लिए अनुकूल और प्रतिस्पर्धी माहौल तैयार किया है।

इस पृष्ठभूमि के साथ, हम 25 से 28 सितंबर तक डब्ल्यूएफआई 2025 की मेज़बानी के लिए तैयार हैं। इसका उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री करेंगे, जो इस क्षेत्र के लिए सरकार की उच्च प्राथमिकता को इंगित करता है। इस संस्करण में न्यूज़ीलैंड और सऊदी अरब भागीदार देश होंगे, जबकि जापान, संयुक्त अरब अमीरात, वियतनाम और रूस फ़ोकस देश होंगे। सहकारी संघवाद का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करते हुए 21 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश स्थानीय खूबियों की झलक दिखाने वाले मंडपों के साथ इस आयोजन को समृद्ध करेंगे। डब्ल्यूएफआई प्रमुख प्रदर्शनियों और बी2बी मंचों के साथ ही साथ, एफएसएसएआई द्वारा तीसरे वैश्विक खाद्य नियामक शिखर सम्मेलन और एसईएआई द्वारा 24वें इंडिया इंटरनेशनल सीफूड शो की मेज़बानी करेगा।

डब्ल्यूएफआई पूरी तरह सरकारी तंत्र की शक्ति से संचालित होता है। जहाँ एक ओर, हमारा मंत्रालय नेतृत्व करता है, वहीं हम मूल्य श्रृंखला के सभी मंत्रालयों जैसे - पशुपालन एवं डेयरी, मत्स्य पालन, वाणिज्य, डीपीआईआईटी, कृषि एवं किसान कल्याण, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, आयुष, पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय और उनके अधीन एजेंसियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करते हैं ताकि उत्पादन, मानक, व्यापार और निवेश आपसी तालमेल से आगे बढ़ सकें।

डब्ल्यूएफआई का एजेंडा पाँच प्रमुख स्तंभों: स्थिरता और नेट-ज़ीरो खाद्य प्रसंस्करण; वैश्विक खाद्य प्रसंस्करण केंद्र के रूप में भारत; खाद्य प्रसंस्करण, उत्पाद और पैकेजिंग प्रौद्योगिकियों में अग्रणी; पोषण और स्वास्थ्य के लिए प्रसंस्कृत खाद्य तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने वाले पशुधन एवं समुद्री उत्पाद-पर आधारित है। प्रत्येक स्तंभ को विशेष रूप से तैयार किए गए सत्रों, बी2बी बैठकों और अपनाने के तरीकों के साथ जोड़ा गया है, ताकि भागीदारी चर्चा से आगे कार्यान्वयन तक बढ़ सके।

पीएमएफएमई लघु-उद्यमियों की उल्लेखनीय सफलता डब्ल्यूएफआई के प्रभाव को दर्शाती है। नि:शुल्क स्टॉल उन्हें आयोजन के केंद्र में बनाए रखते हैं, जिससे उनका घरेलू और वैश्विक दिग्गजों के साथ जुड़ाव संभव होता है। उनकी भागीदारी से करोड़ों के व्यापारिक ऑर्डर और स्थायी साझेदारियाँ प्राप्त हुई हैं। इस वर्ष भी कई उद्यमी लौट रहे हैं, क्योंकि हम गर्व सहित भारत के सबसे छोटे खाद्य उद्यमियों के लिए भी समान अवसर सुनिश्चित करते हैं।

चुनाव से पहले ही बिखर जाएगा लालू यादव का परिवार? बेटे के बाद अब बेटी भी बोल पड़ी

संतोष कुमार पाठक

बिहार में जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव की तारीख नजदीक आती जा रही है, वैसे-वैसे लालू यादव के परिवार में घमासान तेज होता जा रहा है। लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को किस तरह से पार्टी (आरजेडी) और परिवार से बाहर निकाला गया था, यह सब जानते हैं। उसके बाद से ही तेज प्रताप यादव ने अपने भाई तेजस्वी यादव के करीबियों के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। तेज प्रताप यादव ने कई मौकों पर बिना नाम लिए तेजस्वी यादव के करीबी और राज्यसभा सांसद संजय यादव पर निशाना साधते हुए उन्हें 'जयचंद' तक बता दिया। बिहार की राजनीति और खासकर लालू यादव के परिवार से जुड़े लोगों को यह लगता है कि संजय यादव के कारण ही तेज प्रताप को अपने ही परिवार से बाहर होना पड़ा।

तेज प्रताप के प्रकरण के बाद अब लालू यादव को किडनी देकर लोकप्रिय होने वाली उनकी बेटी रोहिणी आचार्य के बयानों ने भी लालू यादव के परिवार में चल रहे उठा-पटक और घमासान को एक बार फिर से उजागर कर दिया है। तेज प्रताप के बाद लालू यादव की दूसरी बेटी रोहिणी आचार्य ने भी संजय यादव को निशाने पर ले लिया है।

लालू यादव के परिवार में इस बार बवाल की शुरुआत गुरुवार को उस तस्वीर से हुई, जिसमें बिहार अधिकार यात्रा के दौरान बस में सबसे आगे वाली तेजस्वी यादव की सीट पर संजय यादव बैठे हुए नजर आए। संजय यादव की यह तस्वीर सामने आते ही बिहार की राजनीति में हंगामा खड़ा हो गया।

तेजस्वी यादव की सीट पर संजय यादव के बैठने वाली तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद एक सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर ने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए एक्स पर पोस्ट कर लिखा, फ्रंट सीट हमेशा शीर्ष नेता के लिए ही होती है। अगर कोई अपने आप को शीर्ष नेतृत्व से भी ऊपर समझ रहा है तो अलग बात है। इस फ्रंट सीट पर लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव को बैठते देखने के लोग अभ्यस्त हैं। उनकी जगह पर कोई और बैठे यह हमें तो कतई मंजूर नहीं। सिंगापुर में रहने वाली लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य इस पोस्ट को रिपोस्ट कर देती हैं। इससे यह साफ-साफ नजर आने लगता है कि लालू यादव के परिवार के लोग भी पारिवारिक मामलों में संजय यादव के बढ़ते हस्तक्षेप से खुश नहीं है। इससे लालू यादव के परिवार में राजनीतिक बवाल खड़ा हो जाता है। तेजस्वी यादव के नाराजगी जताने के बाद लालू यादव और राबड़ी देवी भी सक्रिय होकर डैमेज कंट्रोल की कोशिश में जुट जाते हैं। इसके बाद रोहिणी आचार्य से सोशल मीडिया पर एक और पोस्ट करवाया जाता है, जिसमें वह अपनी ही पार्टी के कुछ अन्य पिछड़ी जाति के नेताओं के तेजस्वी की सीट पर बैठने की तस्वीर शेयर करते हुए लिखती हैं कि, वंचितों और समाज के आखिरी पायदान पर खड़े लोगों को आगे लाना ही लालू प्रसाद के सामाजिक और आर्थिक न्याय के अभियान का मकसद रहा है। इन तस्वीरों में समाज के इन्हीं तबके से आने वालों को आगे बैठे देखना सुखद अनुभूति है।

जितनी तेजी से लालू यादव ने मैदान में उतर कर डैमेज कंट्रोल करने की कोशिश की और इससे पहले जितनी तेजी से उन्होंने सोशल मीडिया पर उतर कर अपने बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को परिवार और पार्टी दोनों से निकालने का पोस्ट किया था। उससे दो बातें तो बिल्कुल साफ-साफ नजर आ रही है। पहली बात तो यह है लालू यादव के परिवार में सब कुछ ठीक ठाक नहीं चल रहा है और इसके लिए उनके बच्चे उनके ही बेटे तेजस्वी यादव के करीबी संजय यादव को जिम्मेदार बता रहे हैं। दूसरी सबसे अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि बिहार की राजनीति के धुरंधर नेता रहे लालू यादव को इस बात का अहसास बखूबी है कि उनके परिवार में घमासान की जितनी खबरें बाहर आएंगी, विधानसभा चुनाव में उनके गठबंधन की हार उतनी ही तय होती जाएगी। इसलिए लालू यादव हर हाल में विधानसभा चुनाव तक इस बवाल को थामे रखना चाहते हैं। लेकिन यह तय मान कर चलिए कि बिहार में विधानसभा चुनाव का नतीजा चाहे कुछ भी आए लेकिन इसके बाद लालू यादव भी अपने परिवार में जारी उठा-पटक को रोक नहीं पाएंगे। ऐसी सूरत में या तो लालू यादव का परिवार ही बिखर जाएगा या फिर तेजस्वी यादव को संजय यादव को अपने से दूर करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

दुनिया के दुर्गम होटल में शामिल इटली का मार्गरिटा हट

- 15 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित
- 5 घंटे की चढ़ाई कर पहुंचते हैं पर्यटक

इटली में एक अनोखा होटल स्थित है। इस होटल को दुनिया के सबसे दूरस्थ इलाकों में स्थित होटल्स में एक माना जाता है। दरअसल यह होटल एक पहाड़ी पर बना है। इसका नाम मार्गीरिटा हट है। यह करीबन 15 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित है।

इसका नाम इटली की एक रानी मार्गरिटा के नाम पर रखा गया है, वे 1893 में यहां आई थीं। इस होटल का निर्मान 1889 में इटालियन अल्पाइन क्लब द्वारा किया गया था। मार्गरिटा हट में ठहरने के लिए यात्रियों को 5 घंटे की कठिन चढ़ाई चढ़नी होती है। खास पिज्जा खाने के लिए यहां पर्यटक आते हैं।

साइंटिफिक रिसर्च भी होती है इस होटल में यहां तक पहुंचने के लिए आगंतुकों को क्रैम्पन, रस्सियों और कुल्हाड़ियों की मदद लेनी पड़ती है। इस होटल में यहां पहुंचने वाले लोगों के लिए सभी जरूरी सुविधाएं हैं। होटल के कमरे किसी हॉस्टल की तरह है। मार्गरिटा हट में एक बार में कुल 70 यात्री ठहर सकते हैं। होटल में एक भोजन कक्ष, एक बड़ा रसोईघर है। यात्री इस होटल के खास पिज्जा का आनंद लेने के लिए यहां तक पहुंचते हैं। यहां एक रात का किराया करीब 9 हजार रुपए के आसपास है। होटल एक रिसर्च स्टेशन के रूप में भी कार्य करता है। यहां पर्यावरणीय और वायुमंडलीय स्थितियों का अध्ययन करने के लिए उपकरण लगे हैं। मार्गरिटा हट के कर्मचारियों को लगातार 10 से 14 दिनों तक काम करना पड़ता है, बीच में उन्हें कुछ दिनों का ही ब्रेक मिलता है। हर बार उन्हें पहाड़ पर चढ़ने के लिए मुश्किल यात्रा करनी पड़ती है और कभी-कभी हेलीकॉप्टर उन्हें काम पर ले जाने में मदद करते हैं।

ट्यूनीशिया में 11वीं शताब्दी में बने थे ये अनोखे अंडरग्राउंड घर

आपने अक्सर दादी-नानी की कहानियों में पाताल लोक के बारे में सुना होगा, लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक पाताल लोक धरती पर भी मौजूद हैं, जहां जमीन के नीचे घर बनाकर लोग रहते हैं। इसकी वजह भी बेहद चौंकाने वाली है। ये है अफ्रीकी देश ट्यूनिशिया का दजेबेल दाहर इलाका, जहां लोग आज भी सैकड़ों साल पुराने घरों में रहते हैं। ये घर जमीन के नीचे बने होते हैं। इस अंडरग्राउंड गांव को तिज्मा के नाम से जाना जाता है। जमीन के नीचे पुराने तरीकों से बने इन घरों पर न गर्मी का असर है और न ही सर्दी का। हालांकि, पिछले कुछ दशकों में यहां की आबादी काफी कम हो गई। अब यहां कुछ फैमिलीज ही बची हैं। हालांकि, वो इस जगह से इतने अटैच हैं कि इसे छोड़कर जाना नहीं चाहते हैं।

100 साल पुराने इन घरों में लोग रहते तो हैं ही, साथ ही उन्होंने जीवन यापन की तमाम सुविधाएं भी यहां इकट्ठा कर ली हैं। हालांकि यहां रहने वाले ज्यादातर लोग वही हैं, जिनकी जमीन आसपास है और उन्हें यहां खेती करनी होती है। इसके अलावा काफी लोग इस इलाके को छोड़कर शहरी क्षेत्रों की ओर कूच कर गए हैं। जो लोग यहां जमीन के नीचे बने घरों में रहते हैं, उनका कहना है कि उन्हें अपनी जमीन और संस्कृति से प्यार है, इसलिए वो इसे छोड़कर नहीं जाना चाहते। यहां छुट्टियों के दौरान घूमने-फिरने के लिए पर्यटक भी आते रहते हैं। दरअसल, इन घरों को जमीन के नीचे बनाने का मकसद इस इलाके में चलने वाली गर्म हवाओं से निजात पाना था। यहां बने ज्यादातर घर मिट्टी के ही बने होते हैं, जो भीषण गर्मी में भी ठंडे रहते हैं। इसके अलावा इनकी बनावट भी ऐसी होती है कि यहां हवा आने की जगह बनी रहे। यहां 1 हजार से ज्यादा अंडरग्राउंड घर बनाए गए हैं। इन घरों को ट्रोग्लोटाइड कहते हैं। अनुमान लगाया जाता है कि ये घर 11वीं शताब्दी में ही बनाए गए होंगे। इनमें से कुछ घरों में लोग अब भी रह रहे हैं। इन घरों को स्टार वार्स की एक मूवी में भी दिखाया गया था, जिसके बाद इन घरों को देखने दुनियाभर के पर्यटक यहां आते हैं। साल 1960 में इन घरों को पहुंचे नुकसान के बाद इन्हें नई सुविधाओं के साथ तैयार किया गया है। यहां के घरों में आम घरों की ही तरह सोने, किचन जैसे कामों के लिए अलग-अलग रूम बना रखे हैं। इन घरों में लोगों ने टीवी आदि भी लगा रखे हैं।

ऐसी है यहां के लोगों की जिंदगी

इस अंडरग्राउंड गांव को तिज्मा के नाम से जाना जाता है। ट्यूनिशिया के प्रेसिडेंट रहे हबीब बॉर्गुइबा ने मॉर्डेनाइजेशन मुहीम के तहत 1960 और 1970 में नया इलाका बसाया। हालांकि, पिछले कुछ दशकों में यहां की आबादी काफी कम हो गई। अब यहां कुछ फैमिलीज ही बची हैं। हालांकि, वो इस जगह से इतने जुड़े हुए हैं कि इसे छोड़कर जाना नहीं चाहते हैं। असल में, सूखे और भारी बारिश के चलते यहां मकान गिरने लगते हैं। ऐसे में कुछ लोगों ने आस-पास की जमीन में ही नए मकान बना लिए हैं। वहीं, पारंपरिक घरों को वो स्तबल और वर्कशॉप के तौर पर इस्तेमाल कर रहे हैं। तिज्मा गांव के आस-पास ऊपर खजूर और जैतून के पेड़ लगे हैं। यहां रह रहे लोगों के गुजारा जैतून की फार्मिंग और टूरिज्म से होता है। आजके समय में यह जगह पॉपुलर डेस्टिनेशन में तब्दील हो गई, यहां के अंडरग्राउंड मकानों में होटल खुल गया जो की कमाई का एक और साधन है।

ज्वालामुखी के गड्ढे जैसे हैं दिखते

- तिज्मा गांव में बने सभी मकान ज्वालामुखी के जैसे गड्ढे और गुफा में मौजूद हैं। इनके आस-पास ऊपर पाम और जैतून के पेड़ लगे हैं। इन सभी का कंस्ट्रक्शन एक जैसा है। अजीबोगरीब दिखने वाले ये मकान लीबिया के बॉर्डर से लगे इलाकों में मौजूद हैं। वहीं, दजेबल दहर के बाकी हिस्सों में बने मकान और स्टोररूम पत्थरों को काटकर और जमीन के ऊपर बनाए गए हैं।
- इस अंडरग्राउंड गांव को तिज्मा के नाम से जाना जाता है। ट्यूनिशिया के प्रेसिडेंट रहे हबीब बॉर्गुइबा ने मॉर्डेनाइजेशन कैंपेन के तहत 1960 और 1970 में नया टाउन बसाया। तब यहां से कई फैमिलीज ने अंडरग्राउंड मकानों को छोड़ दिया।
- दरअसल, सूखे और भारी बारिश के चलते यहां मकान गिरने लगते हैं। ऐसे में कुछ लोगों ने आस-पास की जमीन में ही नए मकान बना लिए हैं। वहीं, पारंपरिक घरों को वो स्तबल और वर्कशॉप के तौर पर इस्तेमाल कर रहे हैं।
- यहां पांच कमरों वाले घर में रहने वाली लतीफा बेन याहिया ने न्यूज एजेंसी रॉयटर्स से बताया, मेरे मां-बाप की मौत हो गई। सभी लड़कियों की शादियां हो गईं और वो अपने घर चली गईं। अब मैं घर में सिर्फ अकेली बची हूं। अगर मैंने भी घर छोड़ दिया, तो ये घर तो खत्म हो जाएगा।
- यहां रहने वाली 36 साल की सलीहा मोहम्मेदी ने कहा कि वो इस घर में अपने हसबैंड और चार बच्चों के साथ रह रही हैं और उन्हें यहां रहने में कोई दिक्कत नहीं है। उन्हें अगर यहां दूसरा मकान भी मिलता है, तो उसे अपने बच्चों को दे देंगी। सलीहा का कहना है कि ये वो जगह है, जहां हमने अपनी जिंदगी गुजारी है।
- गांव में छोटी सी दुकान चलाने वाले हेदी अली काएल इस इलाके में बचे वो आखिरी शख्स हैं, जिसे इस बात की जानकारी है कि ये मकान कैसे बने हैं और कैसे मेंटेन किए जाते हैं। उन्होंने यहां आखिरी मकान 1970 में बनाया था। वो अब भी इन मकानों को सुरक्षित रखने में लगे हुए हैं।

टूरिज्म कमाई का जरिया

- यहां रह रहे लोगों के गुजारा जैतून की फार्मिंग और टूरिज्म से होता है। ये जगह तब पॉपुलर डेस्टिनेशन में तब्दील हो गई, जब यहां के अंडरग्राउंड मकानों में होटल खुल गया।
- 1970 में स्टार वॉर्स ने यहां होटल सेट किया था। हालांकि, ट्यूनिशिया में टूरिज्म अभी रिकवरी के दौर में है। 2011 में अरब क्रांति के बाद यहां टूरिज्म में काफी गिरावट आई है।
- यहां रहने वाली सलीहा का कहना है कि अरब क्रांति से पहले यहां टूरिज्म था, लेकिन उसके बाद से गिनती के लोग ही आते हैं।
- उनका कहना है कि छुट्टियों के दौरान यहां ट्यूनिशिया के कुछ लोग घूमने-फिरने के लिए आ जाते हैं, तो उन्हें कुछ टिप दे जाते हैं।

होटल पैलासियो डि साल: विश्व का इकलौता होटल, जो पूरी तरह नमक से बना है

बोलिविया 7 दक्षिण अमेरिका के बोलिविया में एक अनोखा होटल स्थित है, जो पूरी तरह नमक से बना हुआ है। यह अपने तरह का दुनिया का पहला और इकलौता होटल है। इसका नाम होटल पैलासियो डि साल है। इसे नमक का महल भी कहा जाता है। यह दुनिया के सबसे बड़ नमक के मैदान सालार डि उईयूनी के तट पर स्थित है। नमक के रेगिस्तान के बीच होने के बावजूद यह एक लग्जरी होटल है। यहां स्पा, गेम जोन और पूल जैसी कई सुविधाएं दी जाती हैं। होटल में 16 लग्जरी रूम, 1 डाइनिंग रूम और 1 बार है।

एक दिन का किराया 30 हजार

इस होटल का एक दिन का किराया लगभग 30 हजार रुपए है। होटल के कमरों से नमक के रेगिस्तान का नजारा देखने को मिलता है। होटल स्टाफ मीडिया को दिए इंटरव्यू में बताते हैं कि यहां आने वाले मेहमान आकर बहुत खुश रहते हैं। अक्सर कई पर्यटक तो दीवार या फर्नीचर को चख कर चेक करते हैं कि यह सब नमक से बना है। इसे होटल व्यवसायी जुआन क्वेसाडा वाल्डा ने बनवाया था। वे बताते हैं कि शुरुआत में लोगों ने उनके नमक के होटल के आइडिया का विरोध किया था। लोगों का कहना था कि होटल में कोई नहीं आएगा, लेकिन इसका विपरीत हुआ। हर साल होटल में हजारों पर्यटक आते हैं।
है।

होटल की मेन्यू में खाना भी होता है केवल नमकीन

इस होटल के अंदर स्थित खंभे और दीवारें भी नमक की ईंटों से ही बनी हैं। होटल में फर्नीचर के लिए लकड़ी का उपयोग नहीं किया गया, बल्कि इन्हें भी नमक के ब्लॉक से ही बनाया गया है। होटल के सोफे और नमक से बना बेड पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है। इतना ही नहीं होटल के रेस्त्रां के मेन्यू में मिलने वाला खाना भी केवल नमकीन होता है। यहां स्पा के लिए भी सॉल्ट वाटर बाथ का उपयोग किया जाता है, इसमें व्यक्ति को नमक के ढेर पर और खारे पानी से स्पा दिया जाता है। इसके हर कमरे में नमक की ईंटों से बनी एक अनोखी गुंबददार छत है, जिस पर भी नमक की बारीक परत चढ़ाई गई है। नवंबर से अप्रैल तक बरसात के मौसम के दौरान नमी बढ़ने के कारण होटल के कई हिस्सों को समय-समय पर बदलते रहना पड़ता

बिजली संकट पर जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी का 'जबर गोहार' बेमेतरा में गूँजी जनता की आवाज

बेमेतरा (समय दर्शन)। प्रदेश में गहराते बिजली संकट के खिलाफ जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी ने प्रदेशव्यापी 'जबर गोहार' आंदोलन के तहत 23 सितंबर 2025 को कचहरी चौक, बेमेतरा में विशाल धरना-प्रदर्शन कर सरकार को कड़ी चेतावनी दी।

धरना स्थल पर पार्टी सेनानियों ने कहा कि सरकार द्वारा हाफ बिजली बिल योजना बंद करने से आम उपभोक्ताओं पर भारी आर्थिक बोझ आ पड़ा है। जिले के अनेक उपभोक्ताओं को 20 से 40 हजार रुपये तक के मनमाने बिल थमा दिए गए हैं। इसके साथ ही लगातार अघोषित कटौती और लो वोल्टेज की समस्या ने किसानों, व्यापारियों और आम नागरिकों को बेहाल कर दिया है। इस धरना का नेतृत्व जिलाध्यक्ष राजेन्द्र पटेल ने किया। कार्यक्रम में नगर अध्यक्ष सूर्या सिंह चौहान, उपाध्यक्ष खेमू साहू, बेरला खंड अध्यक्ष धनंजय निषाद, उपाध्यक्ष भूषण प्रताप, साजा नगर अध्यक्ष सुनील वर्मा, नवागढ़ खंड अध्यक्ष छन्नूराम साहू, जिला मीडिया प्रभारी नंदु निषाद, जिला प्रतिनिधि वीर सिंह साहू सहित अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल रहे।

छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना का समर्थन

धरना आंदोलन को मजबूती देने छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना भी सड़क पर उतरी। जिलाध्यक्ष निलेश साहू, उपाध्यक्ष गजेंद्र निषाद, महिला अध्यक्ष सुषमा परगनिया, जिला प्रवक्ता एवं साजा खंड अध्यक्ष श्रवण साहू, बेमेतरा खंड अध्यक्ष लुकेश्वर साहू , नवागढ़ खड़ अध्यक्ष पवन साहू, बेरला खड़ अध्यक्ष सोहन समेत लीलाराम साहू, ताकेश्वर साहू, अभिषेक जोशी, नोहर प्रसाद, ललित निषाद, मोचन यादव, योगेश निषाद, राकेश माण्डे, डॉ. डगेश्वर निषाद, कृष्णा और हेमंत सहित बड़ी संख्या में सेनानी उपस्थित रहे और जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के साथ मिलकर जोरदार नारेबाजी की।

बेमेतरा, नवागढ़, बेरला और साजा ङ्क इन चारों खंडों से सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ताओं और सेनानियों की मौजूदगी ने धरना स्थल को जनआंदोलन का रूप दे दिया। नेताओं ने सरकार को चेतावनी दी कि यदि बिजली की समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को और उग्र स्वरूप दिया जाएगा। साथ ही आम जनता से इस संघर्ष में सहभागी बनने की अपील की गई। धरना प्रदर्शन उपरांत जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी का प्रतिनिधिमंडल कलेक्टर के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा और समस्याओं के तत्काल समाधान की मांग की। जबर गोहार ने बेमेतरा की आवाज को बुलंद कर दिया ङ्क अब किसानों और उपभोक्ताओं की पीड़ा सड़क पर गूँज रही है।

नवनिर्वाचित सरपंचों का अभिमुखीकरण प्रशिक्षण सम्पन्न, ग्राम विकास को मिलेगी नई दिशा

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। जिला पंचायत संसाधन केंद्र, दंतेवाड़ा में 23 से 25 सितंबर 2025 तक नवनिर्वाचित सरपंचों के लिए एक अभिमुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पंचायत प्रतिनिधियों को सशक्त और जागरूक बनाना था। प्रशिक्षण में पंचायत राज व्यवस्था, 73वें संविधान संशोधन, 11वीं अनुसूची के 29 विषयों, ग्राम सभा की भूमिका, ग्राम पंचायत विकास योजना (तक्ष्ठक्क), क्क्ष्ठ, क्ष्ठद्ब और स्थानीय सतत विकास लक्ष्यों (रुस्ष्ठत्र) पर विस्तृत जानकारी दी गई।

विशेषज्ञों ने सरपंचों को शासकीय योजनाओं, वित्तीय प्रबंधन, ग्राम पंचायत बैठकों के संचालन, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के उपायों पर मार्गदर्शन प्रदान किया। प्रशिक्षण में रुस्ष्ठत्र आधारित ग्राम पंचायत विकास पर विशेष जोर दिया गया।

अधिकारियों ने अपने संबोधन में कहा कि पंचायतें लोकतंत्र की नींव हैं और सरपंचों की भूमिका ग्राम विकास में सर्वोपरि है। उन्होंने नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों से प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान को लागू कर ग्राम पंचायतों को विकास के नए आयाम देने का आह्वान किया।

गीदम जनपद के सरपंचों ने कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाई और अपने सवालों के माध्यम से जिज्ञासाओं का समाधान किया। कार्यक्रम का समापन प्रेरणादायी संदेशों और पंचायत प्रतिनिधियों के संकल्प के साथ हुआ।

इस अवसर पर उप संचालक पंचायत विभाग, जिला अंकेक्षक, सहायक आंतरिक लेखा परीक्षक एवं करारोपण, जिला संकाय सदस्य और नीति आयोग के सहयोगी पिरामल फाउंडेशन, दंतेवाड़ा के कर्मचारी उपस्थित रहे।

आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान कार्यशाला का आयोजन

कवर्धा (समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में बुधवारको आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान विषय पर भव्य कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, सांसद संतोष पाण्डे, प्रदेश मंत्री भाजपा श्रीमती संध्या परगहनिया, जिला भाजपा अध्यक्ष राजेन्द्र चंद्रवंशी एवं कार्यक्रम संयोजक, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रामकुमार भट्ट मंचासीन रहे।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत का संकल्प सिर्फ़ एक नारा नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण का अभियान है। आज भारत वैश्विक स्तर पर नई आर्थिक पहचान बना रहा है। 'मेक इन इंडिया' और 'स्टार्टअप इंडिया' जैसी योजनाओं ने करोड़ों युवाओं को अवसर प्रदान किए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य और केंद्र सरकार मिलकर वित्तीय सुधारों को नई दिशा दे रही है। जीएसटी 2.0 जैसे रिफ़ॉर्म से व्यापार जगत को सरलता, पारदर्शिता और मजबूती मिलेगी। इसका लाभ छोटे व्यापारी से लेकर बड़े उद्योगों तक हर किसी को होगा। आत्मनिर्भर भारत का सपना तभी साकार होगा जब प्रत्येक नागरिक अपने कौशल और संसाधनों का बेहतर उपयोग कर आगे बढ़े।

सांसद पाण्डे ने कहा कि आज भारत हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में तेज़ी से बढ़ रहा है। रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी हथियार निर्माण, अंतरिक्ष विज्ञान में गगनयान मिशन, डिजिटल इंडिया से गाँवदृगाँव इंटरनेट की पहुँच, हर घर जल योजना और किसान सम्मान निधि जैसे कार्यक्रम यह प्रमाण हैं कि भारत आत्मनिर्भरता की ओर मज़बूती से कदम बढ़ा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने 'वोकल फॉर लोकल' का आह्वान करके देश की आर्थिक सोच को बदल दिया है। हमारी जिम्मेदारी है कि हर कार्यकर्ता इस विचारधारा को समाज तक ले जाए और हर परिवार को आत्मनिर्भर बनाने की प्रेरणा दे।

प्रदेश मंत्री भाजपा श्रीमती संध्या ने कहा कि महिलाओं की भागीदारी आत्मनिर्भर भारत अभियान की सबसे बड़ी शक्ति है। आत्मनिर्भर भारत तभी सफल होगा जब मातृशक्ति हर क्षेत्र में सक्रिय होकर समाज को दिशा दे। भाजपा सरकार ने महिला स्वसहायता समूहों और उद्यमशीलता को बढ़ावा देकर नई राह खोली है।

जिला भाजपा अध्यक्ष राजेन्द्र चंद्रवंशी ने कहा कि जिला संगठन बूथ स्तर तक इस अभियान को पहुँचाने के लिए कृतसंकल्प है। संगठन की मज़बूती और कार्यकर्ताओं की प्रतिबद्धता से आत्मनिर्भर भारत अभियान निश्चित ही जनता के बीच एक जनआंदोलन बनेगा। कार्यक्रम संयोजक रामकुमार भट्ट ने बताया कि यह अभियान 25 सितम्बर पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती से प्रारंभ होकर 25 दिसम्बर, पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती तक चलेगा।

कल्पना से साकार - कला और शिल्प का जादू

नवागढ़ (समय दर्शन)। पं. जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय, नवागढ़ में कला एवं शिल्प कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों की सृजनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहन देना तथा उनकी कलात्मक क्षमताओं को मंच प्रदान करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के संचालक श्री विनोद अग्रवाल प्राचार्य डॉ राजेश शर्मा एवं विशिष्ट अतिथि डॉ अन्नपुर्णा अग्रवाल (राधाकृष्ण शिक्षा समिति, नवागढ़) द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। तत्पश्चात विभिन्न कक्षाओं के छात्र-छात्राओं ने अपनी-अपनी रचनात्मक प्रस्तुतियाँ प्रदर्शित कीं। प्रदर्शनी में चित्रकला, मूर्तिकला, पेपर क्राफ्ट, धुप बत्ती एवं हस्तनिर्मित सजावटी वस्तुओं को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया।छात्र-छात्राओं की सृजनशीलता और परिश्रम ने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। निर्णायक मंडल ने विभिन्न मानकों - विषय चयन, नवाचार, प्रस्तुति, एवं सौंदर्यबोध - के आधार पर प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया। विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

महाविद्यालय परिवार ने इस कार्यक्रम को अत्यंत सफल और सार्थक बताया। अंत में आभार प्रदर्शन करते हुए यह आशा व्यक्त की गई कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध होंगे। इस अवसर पर तेरस दिनकर (आई क्यू ए सी प्रभारी), श्रीमती प्रीति देवांगन (कार्यक्रम प्रभारी), श्रीमती लक्ष्मीन महंत, सुश्री यशोदा शांते, श्री आलोक चंद्रा, श्री जोहित कश्यप, श्री सतीश, श्री शिवरात्रि, सुश्री रजनी साहू एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

राज्यपाल रमेन डेका ने स्व-सहायता समूहों की आर्थिक मजबूती से जताई प्रसन्नता

राज्यपाल डेका ने भोरमदेव मंदिर परिसर में लखपति दीदियों के हुनर को सराहा

कवर्धा (समय दर्शन)। राज्यपाल रमेन डेका ने बुधवार को एक दिवसीय प्रवास के दौरान भोरमदेव मंदिर प्रांगण में जिले की लखपति दीदियों से मुलाकात की। राज्यपाल ने प्रदर्शनी में लगाए गए विभिन्न स्व-सहायता समूहों के स्टॉल का अवलोकन किया और महिलाओं द्वारा किए जा रहे आजीविका आधारित कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

राज्यपाल श्री डेका ने ढोलबज्जा की सुखिया बैगा से मुलाकात कर उनके समूह मां लक्ष्मी स्व-सहायता समूह द्वारा बाँस से निर्मित टोकरी, सपा एवं सजावटी सामग्रियों की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि समूह की मासिक आमदनी 12 से 15 हजार रुपए तक हो रही है। इसी तरह ग्राम सिल्हाटी की अन्नपूर्णा स्व-सहायता समूह की महिलाओं से बातचीत में राज्यपाल ने उनके बेकरी व्यवसाय, कोदो-कुटकी से पौष्टिक उत्पाद एवं महुआ लड्डू तैयार करने की प्रक्रिया को जाना। महिलाओं ने बताया कि शासन से 3 लाख रुपये का ऋण एवं अनुदान प्राप्त हुआ है, जिससे समूह की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने एकता समूह द्वारा जैविक खेती और ब्लैक राइस उत्पादन की पहल को अभिनव बताते हुए विशेष रूप से सराहा। उन्होंने कहा कि परंपरागत धान की विलुप्त होती प्रजातियों का संरक्षण भविष्य के लिए महत्वपूर्ण कदम है। समूह की महिलाओं ने जानकारी दी कि बीज उत्पादन एवं विपणन से सीजन में 2 से 3 लाख रुपए तक की आमदनी हो जाती है।

इसी क्रम में राज्यपाल ने अमीन माता स्व-सहायता समूह की महिलाओं से भेंट की, जो कपड़े से बैग, पर्स और थैले बनाकर बाजार में अच्छी आमदनी कमा रही हैं। उन्होंने महिलाओं से कहा कि इस तरह के उद्यम से न केवल आर्थिक सशक्तिकरण होगा बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान मिलेगा।

राज्यपाल श्री डेका ने इस दौरान वन विभाग की ओर से तरेगांव एवं सिंघारी समितियों के शहद संग्राहकों को सुरक्षा किट भी वितरित किए। उन्होंने समूहों द्वारा औषधीय उत्पाद, शहद और अन्य सामग्रियों के बारे में विस्तार से जानकारी ली और कहा कि इन गतिविधियों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

राज्यपाल श्री डेका ने लखपति दीदियों को टिप्स देते हुए कहा कि उत्पादों की गुणवत्ता और पैकेजिंग पर विशेष ध्यान देना चाहिये। ऑनलाइन मार्केटिंग और डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग बढ़ा सकते है।

राज्यपाल श्री डेका ने जिले के प्रतिभाशाली एवं मेधावी विद्यार्थियों से आत्मीय मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों से उनके सपनों, लक्ष्य और उपलब्धियों के बारे में जानकारी ली और भविष्य की दिशा में मार्गदर्शन दिया। प्रयास स्टेट टॉपर प्रियंका मेरावी, कक्षा 10वीं की टॉपर भूमिका साहू, पीवीटीजी वर्ग के टॉपर पतिराम तथा खो-खो की नेशनल खिलाड़ी अनुराधा मरकाम ने राज्यपाल के समक्ष अपने विचार एवं आकांक्षाएं साझा कीं। दसवीं टॉपर भूमिका साहू ने अपने लक्ष्य के बारे में बताया कि वे भविष्य में प्रोफेसर बनकर पढ़ाई को रोचक और आनंदमय तरीके से विद्यार्थियों तक पहुँचाना चाहती हैं। राज्यपाल ने प्रयास टॉपर प्रियंका मेरावी से भी संवाद कर उनके संकल्प को जाना और सभी विद्यार्थियों से उनके परिवार और जीवन के अनुभवों के बारे में विस्तार से चर्चा की।

कार्यक्रम के अंत में राज्यपाल श्री डेका ने कलेक्टर को निर्देश दिए कि इन चारों बच्चों को उनके विकास और आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए 5 हजार की आर्थिक सहायता प्रदान की जाए।

इस अवसर पर राज्यपाल श्री रमेन डेका ने मेधावी छात्रों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, कलेक्टर गोपाल वर्मा, पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र कुमार छवई, डीएफओ निखिल अग्रवाल, जिला पंचायत सीईओ अजय कुमार त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहें।

संक्षिप्त-खबर

जवाहर नवोदय विद्यालय बेमेतरा में खिलेश्वर ठाकुर का चयन

बेमेतरा (समय दर्शन)। शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला भरदालोधी के मेधावी छात्र खिलेश्वर ठाकुर, पिता खोमलाल ठाकुर का चयन जवाहर नवोदय विद्यालय कुसमी, बेमेतरा के लिए प्रतीक्षा सूची से हुआ है। वर्तमान में कक्षा 6वीं में अध्ययनरत खिलेश्वर ने अपनी लगन, परिश्रम और प्रतिभा के बल पर यह उपलब्धि अर्जित की है। उनके चयन से न केवल विद्यालय परिवार बल्कि पूरे ग्राम भरदालोधी में हर्ष और उत्साह का माहौल है। संस्था प्रमुख हीरालाल वर्मा सहित मुकेश वर्मा, नरेश बघेल, राजू सेन, चुरावन बघेल, शिवेंद्र डहरवाल तथा संकुल समन्वयक मनीराम श्रीवास ने इस सफलता पर खिलेश्वर को आशीर्वाद और शुभकामनाएं दीं। शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष ईरूप जंघेल जंघेल ने भी उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विशाखा कमेटी के बाद अब एक नया सिगुफा, आंतरिक समिति गठित ना करने पर 50000 जुर्माना

बिलासपुर (समय दर्शन)। न्यायालय ऐसे आदेश देते हैं जिसका पालन नहीं हो सकता और लागू करने वाला कार्यवाही कुछ कर नहीं सकता कार्य स्थल पर लैंगिक उत्पीड़न प्रति शोध एवं प्रतितोष अधिनियम 2013 के अनुसार यहां कहीं भी 10 या उससे अधिक कर्मचारी कार्यरत है तो वहां आंतरिक समिति का गठन होगा और यह कमेटी कार्य स्थल पर महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न की शिकायत के प्रथम सीढ़ी होगी। जहां कहीं भी ऐसी समिति का गठन नहीं होगा तो 50000 रुपए का जुर्माना।

बिलासपुर जहां उच्च न्यायालय है कि हालत यह है कि कई कॉलेजों में महिलाओं के साथ लैंगिक उत्पीड़न हुआ पर कमेटी नहीं थी। नर्सिंग होम, मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल में महिलाओं के साथ कई बार उत्पीड़न हुआ है कमेटी नहीं थी। यहां तक की बर्जेस स्कूल, सालेम स्कूल रायपुर महिलाओं ने अपने ही प्रबंधकों के खिलाफशिकायत की स्कूल में कमिटियां नहीं है। आखिर यह कौन सा चिराग होगा जो संस्थानों में ऐसी कर्मियों का गठन करा देगा।

नगर निगम भिलाई में आज फूड वेंडरो का कार्यशाला आयोजित

भिलाईनगर (समय दर्शन)। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के माध्यम से छोटे स्तर पर खाद्य सामग्री बेचने वाले पथ विक्रेताओ को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी देने नगर निगम भिलाई मुख्य कार्यालय सभागार में 26.09.2025 को सुबह 10 बजे प्रशिक्षण भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके लिए शहर के इच्छुक स्ट्रीट फूड वेंडरों को आमंत्रित किया गया है। जो स्वयं का व्यवसाय खोलना चाहते है, उन्हे लाईसेंस बनाने में निगम भिलाई सहयोग करेगा। सभी स्ट्रीट फूड वेंडर प्रशिक्षण में शामिल होकर लाभ उठावें।

जिले में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान का हो रहा आयोजन

गरियाबंद (समय दर्शन)। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार जिला गरियाबंद में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान का आयोजन 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2025 तक किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत जिले में स्वास्थ्य शिविर लगाकर महिलाओं और बच्चों को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। अब तक 17 सितम्बर से 24 सितम्बर तक जिले में कुल 1061 स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा चुके हैं, जिनसे 56 हजार 802 हितग्राही लाभान्वित हुए हैं। यह अभियान जिले में महिलाओं और बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य एवं परिवार सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि अभियान के तहत आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों और दुर्गम क्षेत्रों में शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में महिलाओं की स्वास्थ्य जांच, प्रसव पूर्व परीक्षण, टीकाकरण, मातृ-शिशु सुरक्षा कार्ड वितरण, परामर्श सेवाएं और उच्च जोखिम गर्भावस्था की पहचान की जा रही है। साथ ही बच्चों के लिए टीकाकरण, किशोर-किशोरियों में एनीमिया की जांच एवं उपचार, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत चिन्हांकित बच्चों का उपचार और स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम भी संचालित किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त निक्षय मित्र पंजीयन और रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया जा रहा है।

साइंस कॉलेज दुर्ग में राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस का भव्य आयोजन

दुर्ग(समय दर्शन)। शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस बड़े उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम के अध्यक्षीय उद्बोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने सेवा परमो धर्म: और तुलसीदास जी के दोहे परहित सरिस धर्म नहीं भाई, परपीड़ा सम नहीं आधमाई का उल्लेख करते हुए सेवा भावना को सर्वोपरि बताया। उन्होंने एन एस एस की ऐतिहासिक यात्रा, उसके बहुआयामी योगदानों तथा युवाओं की समाज सेवा में भूमिका पर प्रकाश डाला। स्वागत उद्बोधन में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मीना मान ने एन एस एस के इतिहास, उद्देश्यों और उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर महाविद्यालय के पूर्व स्वयंसेवक मोरध्वज साहू, दिलेश्वर साहू, मानसी यदु, मनीष बंजारे, नोमिता, आंचल, गुलशन, पंकज, प्रकाशमणि, कमलेश एवं खुशबू ने अपने अनुभव साझा किए तथा नए स्वयंसेवकों को सेवा-भावना से कार्य करने की प्रेरणा दी। स्थापना दिवस पर छत्तीसगढ़ राज्य रजत जयंती की थीम पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी दी गईं। इसमें सुवा नृत्य, पंथी नृत्य, राउत नाचा एवं भरथरी जैसे लोकगीत एवं लोकनाट्य ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. अनिल मिश्रा, डॉ. अभिनेष सुराना, डॉ. ज्योति धारकर, डॉ. मर्सी जॉर्ज, डॉ. निगार अहमद, डॉ. रचिता श्रीवास्तव, डॉ. सीमा पंजवानी, डॉ. सतीश सेन, डॉ. श्रीराम कुंजाम एवं प्रो. मोतीराम साहू विशेष रूप से उपस्थित थे।

कार्यक्रम अधिकारी तरुण कुमार साहू ने धन्यवाद ज्ञापित किया। सह कार्यक्रम अधिकारियों सुदेश कुमार साहू, निखिल देशलहरा, कुंदन जांगड़े, सोमेंद्र कुमार, राधिका साहू एवं गोपाल साहू का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवक चंदन, पोखराज एवं माही ने किया।

इस अवसर पर दल नायक हरीश मिनेश, यागिनी सहित द्रविन, आदिल, युवराज, किशन, टुकेश्वर, तोषण, रागिनी और लगभग 200 विद्यार्थी उपस्थित रहे।

गरियांद पुलिस के साथ समन्वय कर गरियाबंद के अलग अलग क्षेत्रो में साइबर रथ रवाना

गरियाबंद (समय दर्शन)। भारतीय स्टेट बैंक शाखा गरियाबंद एवं गरियाबंद पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से जिला गरियाबंद क्षेत्र के लोगो के मध्य साइबर अपराध के प्रति जन जागरूकता हेतु कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस दौरान निशा सिन्हा एसडीओपी गरियाबंद,मनोज मिश्रा स्क्ब्ढ्ढ शाखा प्रबंधक गरियाबंद के साथ शहर के गणमान्य नगर पालिका उपाध्यक्ष आसिफमेमन,सुरेन्द्र सोनटेके सभापति नगर पालिका गरियाबंद के द्वारा फ्लैग दिखाकर साइबर रथ रवाना किया।इस रथ का उद्देश्य नगर के अलग अलग स्थानो एवं गांवो मे जाकर चलचित्रो एवं स्थानिय कलाकारो के द्वारा नुक्कड़ नाटक तथा गायन के माध्यम से लोगो को ऑनलाइन धोखाधड़ी और साइबर अपराधों से सुरक्षित रहने के लिए जागरूक करना है। कार्यक्रम के दौरान भारतीय स्टेट बैंक शाखा गरियाबंद एवं गरियाबंद पुलिस के टीम द्वारा ऑनलाइन धोखाधड़ी जैसे अनचाहे लिंक को टच न करने ,क्क्ष्य स्नद्बद्यद्ग को डाउनलोड न करने,किसी भी शर्त में अपने ओटीपी शेयर न करने,अपने बैंक खातों को किराए से दूसरों को न देना,डिजिटल अरेस्ट जैसे कोई चीज नहीं होती किसी के ऊपर में मामला बनता है तो सीधे पुलिस आकर उस मामले की समीक्षा करती है।इस सभी फ्रॉड विस्तृत जानकारी दी गई।साथ ही उन्होने यह भी बताया कि किसी भी प्रकार की साइबर अपराध होने पर तत्काल साइबर हेल्पलाइन नम्बर 1930 में फोन कर शिकायत दर्ज जरूर कराए ।

खबर-खास

स्टेनोग्राफी एण्ड सेक्रेट्रियल असिस्टेंट हिन्दी ट्रेड परीक्षा में उमा देश में अव्वल

दुर्ग (समय दर्शन)। महिला आईटीआई भिलाई की स्टेनोग्राफी एण्ड सेक्रेट्रियल असिस्टेंट हिन्दी ट्रेड की प्रशिक्षणार्थी सुश्री उमा, अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित परीक्षा में देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। भारत के कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय द्वारा 24 सितंबर 2025 को विभिन्न ट्रेड्स में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले 35 प्रशिक्षणार्थियों की सूची जारी की है। सुश्री उमा छत्तीसगढ़ राज्य से इस सूची में स्थान बनाने वाली इकलौती प्रशिक्षणार्थी हैं और अपने ट्रेड में देश में सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर छत्तीसगढ़ राज्य को गौरवान्वित किया है। सुश्री उमा सहित इन 35 छात्रों को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आगामी 02 अक्टूबर को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित चौथे कौशल दीक्षांत समारोह में सम्मानित किया जाएगा। सुश्री उमा ने अपनी संपूर्ण सफलता का श्रेय कौशल विकास के प्रति समर्पण और उन्नत प्रशिक्षण को दिया है।

छत्तीसगढ़ राज्य अपनी स्थापना का रजत जयंती वर्ष मना रहा है। युवाओं में कौशल विकास प्रशिक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रयास किये जा रहे हैं। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं में प्रशिक्षण की गुणवत्ता को सुधारने एवं प्रशिक्षण के साथ-साथ युवाओं को रोजगार दिलाने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा गंभीरतापूर्वक महत्वपूर्ण कदम उठाये जा रहे हैं। रोजगार एवं प्रशिक्षण के संचालक श्री विजय दयाराम के विभाग का कार्यभार सम्हालते ही इस दिशा में कुशल मार्गदर्शन से सुश्री उमा की अखिल भारतीय स्तर पर सफलता साबित करती है कि बेहतर मागदर्शन का परिणाम मिलना प्रारंभ हो चुके हैं। दुर्ग संभाग के संयुक्त संचालक श्री आर.बी. तिवारी और संस्था के प्राचार्य श्री टी.के. सातपुते ने सुश्री उमा को बधाई देते हुये इस उपलब्धि का श्रेय विभाग के संचालक श्री विजय दयाराम से प्राप्त मार्गदर्शन को दिया है।

आईटीआई भिलाई में कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम का सफल आयोजन

दुर्ग (समय दर्शन)। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, भिलाई में आज नवप्रवेशित आईटीआई प्रशिक्षणार्थियों के लिए कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र, भिलाई (दुर्ग) के सहयोग से एवं औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, भिलाई (जिला-दुर्ग) के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को रोजगार के अवसरों, प्रतियोगी परीक्षाओं, उद्यमिता कौशल तथा कैरियर निर्माण संबंधी आवश्यक जानकारियाँ उपलब्ध कराना रहा।

इस अवसर पर संयुक्त निदेशक (प्रशिक्षण) श्री विष्णु कुमार केड़िया एवं आईटीआई भिलाई के प्राचार्य, श्री टी. के. सातपूते, सहित अन्य अधिकारियों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को कैरियर से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की गईं। छात्रों को भविष्य की दिशा में प्रेरित करने एवं उन्हें मार्गदर्शन देने हेतु यह आयोजन महत्वपूर्ण रहा। छात्रों ने इस कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपने भविष्य को लेकर अनेक महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त कीं।

कार्यक्रम में मार्गदर्शन केंद्र के विशेषज्ञों के साथ-साथ आईटीआई के अधिकारी, प्राचार्य, कर्मचारी एवं प्रशिक्षकगण भी उपस्थित रहे। विद्यार्थियों ने कार्यक्रम से सक्रिय रूप से जुड़कर अपने भविष्य की संभावनाओं को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। इस सफल आयोजन में प्राचार्य, अधिकारियों एवं कर्मचारियों की टीम भावना और जिम्मेदारीपूर्ण सहभागिता सराहनीय रही।

बाढ़ आपदा से निपटने तौरेंगा और मरौदा जलाशय में मॉक ड्रिल संपन्न

प्रशासन, पुलिस और आपदा मित्र की संयुक्त टीम ने दिखाया दमखम

कलेक्टर-एसपी ने मॉक ड्रिल का किया निरीक्षण

गरियाबंद (समय दर्शन)। बाढ़ आपदा से निपटने की तैयारियों को परखने और संबंधित विभागों के बीच समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से आज जिला प्रशासन द्वारा एक व्यापक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया।यह अभ्यास राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, गृह मंत्रालय भारत सरकार,छत्तीसगढ़ राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण तथा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण गरियाबंद के संयुक्त तत्वावधान में तौरेंगा और मरौदा जलाशय में किया गया।जलाशय को कृत्रिम बाढ़ प्रभावित क्षेत्र मानकर सुरक्षा व्यवस्था,राहत एवं बचाव की तैयारी को परखा गया।जिसमें विभिन्न सरकारी एजेंसियों और स्वयंसेवी संगठनों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। मॉक ड्रिल का उद्देश्य बाढ़ जैसी आपातकालीन स्थिति में राहत और बचाव कार्यों की गति, प्रभावशीलता और विभिन्न टीमों के बीच तालमेल का मूल्यांकन करना था।इस दौरान बाढ़ की स्थिति में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना,घायलों को प्राथमिक उपचार देना,भोजन और आश्रय की व्यवस्था करना,तथा संचार व्यवस्था को बनाए रखना जैसे विभिन्न परिदृश्यों का अभ्यास किया गया।अभ्यास के दौरान आपदा प्रबंधन विभाग, पुलिस,फायर ब्रिगेड,स्वास्थ्य विभाग एवं स्थानीय कर्मियों ने बाढ़ में फंसे लोगों को निकालने,नावों का उपयोग कर बचाव कार्य करने,अस्थाई राहत शिविर स्थापित करने और चिकित्सा सहायता प्रदान करने का प्रदर्शन किया।इस दौरान कलेक्टर बी एस उईके पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा,जिला सेनानी सहित नगरसेना के बाढ़ आपदा टीम एवं आपदा मित्र की संयुक्त टीम में मौजूद रहे।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने ड्रम ताओ को बनाया ब्रांड एंबेसडर

ताल, ऊर्जा और विश्वस्तरीय संगीत का उत्सव

बेंगलुरु (एजेंसी)। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने जापान के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मशहूर परफॉर्मेंस ग्रुप ड्रम ताओ को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाने की घोषणा की है। अपनी दमदार प्रस्तुतियों, बारीक कोरियोग्राफी और मंचन की अभिनव शैली के लिए मशहूर ड्रम ताओ अब इस साझेदारी के ज़रिए भारत में अपनी अनोखी संगीत यात्रा पेश करेगा। जापानी धरोहर से प्रेरणा लेते हुए और भारत के प्रति गहरी प्रतिबद्धता रखते हुए, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर का यह नया सहयोग न सिर्फ़कला का उत्सव है बल्कि सामंजस्य, नवाचार और समावेश जैसे साझा मूल्यों को भी सामने लाता है, जो सीमाओं से परे जाकर पीढ़ियों को जोड़ते हैं।

इस लॉन्च पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए, वरिंदर वाधवा, वाइस प्रेसिडेंटङ्कसेल्स, सर्विस, यूज़्ड कार बिज़नेस एवं प्रॉफिट एन्हांसमेंट, ने कहा, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर में हम मानते हैं कि हमारे रिश्ते केवल मोबिलिटी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उससे आगे बढ़कर सार्थक जुड़ाव बनाते हैं। ड्रम ताओ के साथ हमारा यह सहयोग इसी भावना को दर्शाता है - जहां परंपरा और आधुनिक नवाचार मिलते हैं। संगीत और ताल की अपील सार्वभौमिक है, खासकर आज की युवा पीढ़ी के बीच, जो जीवंत, ऊर्जावान और प्रेरणादायक अनुभव पसंद करती है। ये मूल्य टोयोटा के विज़न 'हैप्पीनेस फ़ॉर ऑल' के साथ गहराई से जुड़े हैं।

ड्रम ताओ की असली पहचान उनके दमदार वा-डाइको ड्रम हैं — ये पारंपरिक बैरल-आकार के जापानी वाद्ययंत्र लोककथाओं और आध्यात्मिकता से गहराई से जुड़े हैं। इनके साथ जब उनकी अनोखी कोरियोग्राफी और आधुनिक अंदाज़ में प्रस्तुत किए गए जापानी वाद्य जैसे शिनोबुए (बांसुरी), कोटो (हार्प) और स्यामिसेन (गिटार) जुड़ते हैं, तो उनकी प्रस्तुति एक ऐसा जबर्दस्?त अनुभव बन जाती है जो भाषा की सीमाओं को पार कर सीधे दिल को छूता है। यह प्राचीन रस्मों और आधुनिक मंचन का बेमिसाल संगम है। स्मार्ट परिधानों में सजे और एथलेटिक अंदाज़ में प्रस्तुत करने वाले कलाकार दर्शकों को पूरी तरह मंत्रमुग्ध कर देते हैं।

इस समूह को जापान सरकार द्वारा 6ठा जापान टूरिज़्म एजेंसी कमिश्नर अवॉर्ड और मिनिस्टर फॉर इंटरनल अफेयर्स एंड कम्युनिकेशंस अवॉर्ड से भी सम्मानित किया जा चुका है।

भारत में नवंबर और दिसंबर 2025 के दौरान ड्रम ताओ का 14-शहरों का विशेष टूर प्रस्तावित है। दर्शक इस टूर में संस्कृति और संगीत का ऐसा अनुभव करेंगे जिसे वे लंबे समय तक याद रखेंगे। कार्यक्रमों के शेड्यूल, लोकेशंस और बिहाइंड-द-सीन्स पलों की झलक जल्द ही टीकेएम की वेबसाइट और सोशल मीडिया चैनलों पर साझा की जाएगी।

कलेक्टर जन्मेजय महोबे के नेतृत्व में जिलेभर में चला स्वच्छता ही सेवा अभियान

जिला पंचायत परिसर सहित जिले के विभिन्न कार्यालय में की गई स्वच्छता ही सेवा के तहत साफ-सफाई

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन में जिलेभर में स्वच्छता ही सेवा अभियान जनभागीदारी के साथ संचालित किया गया। स्वच्छता ही सेवा अभियान-2025 एवं सामूहिक श्रमदान अभियान - एक दिन, एक घंटा, एक साथ कार्यक्रम के तहत जिले से लेकर ग्राम पंचायतों में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, स्वच्छता दीदियों और ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी रही। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और कर्मचारियों ने विभिन्न स्थानों पर श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया। जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गोकुल रावटे के द्वारा जिला पंचायत परिसर एवं कार्यालय सहित आसपास साफसफाई की गई। इस दौरान उन्होंने कहा कि स्वच्छता हमारी नियमित दिनचर्या में शामिल होना चाहिए और हमें प्रतिदिन अपने आसपास साफसफाई करना चाहिए ताकि कहीं पर भी गंदगी दिखाई ना दे। इसके अलावा तहसील परिसर जांजगीर में एसडीएम श्री सुब्रत प्रधान के नेतृत्व में तहसीलदार, नायब तहसीलदार, कार्यालयीन कर्मचारी एवं पटवारियों ने सामूहिक श्रमदान कर परिसर की साफ-सफाई की। इस दौरान परिसर में पौधारोपण भी किया गया, ताकि स्वच्छता के साथ-साथ हरियाली को भी बढ़ावा मिल सके। वहीं तहसील परिसर अकलतरा एवं मुक्तिधाम परिसर में भी स्वच्छता अभियान का व्यापक आयोजन किया गया। जनप्रतिनिधि और विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारियों ने मिलकर श्रमदान किया और परिसर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने में योगदान दिया। जिलेभर में चलाए गए इस अभियान ने न केवल प्रशासनिक कर्मचारियों को एकजुट किया, बल्कि आम नागरिकों को भी यह संदेश दिया कि स्वच्छता ही सेवा है और सेवा ही सच्चा राष्ट्रधर्म है।

इसके साथ ही कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास जांजगीर चांपा में साफ-सफाई करते हुए श्रमदान किया गया। जिसके अंतर्गत जिला कार्यालय महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला बाल संरक्षण इकाई कार्यालय, कार्यालय बाल कल्याण समिति किशोर न्याय बोर्ड के परिसरों में समस्त स्टाफद्वारा श्रमदान करते हुए साफसफाई किया गया साथ ही कार्य योजना अनुसार समस्त नवागढ़ पामगढ़ बलौदा एवं अन्य परियोजनाओं के आंगनबाड़ी केदो में साफसफाई की गई एवं स्वच्छता का संदेश दिया गया। साथ ही शपथ ग्रहण करते हुए स्वच्छता ही सेवा को प्रेरित करते हुए लोगों के द्वारा अपने जीवन शैली में स्वच्छता को अपने हेतु संकल्प लिया गया।

मंत्री यादव ने किया स्कूलों का आकस्मिक निरीक्षण

दुर्ग (समय दर्शन)। प्रदेश के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव ने दुर्ग जिले के ग्राम गनियारी स्थित पूर्व माध्यमिक एवं हाई स्कूल, नगपुरा के स्वामी आत्मानंद स्कूल (हिंदी/इंग्लिश) और ग्राम हिर्री के आत्मानंद/ पूर्व माध्यमिक स्कूल का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने क्लास रूम में विद्यार्थियों से संवाद कर कोर्स की स्थिति, शिक्षण व्यवस्था, प्रैक्टिकल और त्रैमासिक परीक्षा की तैयारी पर चर्चा की। साथ ही बच्चों की मांग पर अतिरिक्त कक्ष, डोम शेड और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने आश्वस्त किया। स्कूल शिक्षा मंत्री ने व्यवस्था में गड़बड़ी पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त किया। निरीक्षण के दौरान गनियारी स्कूल में बिना अधिकारिक अनुमति के एन.जी.ओ. को कार्य दिये जाने पर प्राचार्य को फटकार लगाई। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने निर्देश दिए। मंत्री श्री यादव ने कहा कि शिक्षण व्यवस्था में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अवसर पर संयुक्त संचालक श्री आर.एल. ठाकुर, जिला शिक्षा अधिकारी श्री अरविंद मिश्रा और विद्यालयों के शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

बचेली में रजत उत्सव के तहत स्वच्छता पखवाड़ा, एक घंटे की सफाई मुहिम में नागरिकों ने दिखाई एकजुटता

दंतेवाड़ा बचेली (समय दर्शन)। नगर पालिका बड़े बचेली में राज्य शासन और जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में रजत उत्सव के तहत एक घंटा एक साथ थीम के अंतर्गत स्वच्छता पखवाड़ा आयोजित किया गया। यह आयोजन जिला कार्यालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार पूरे देश और प्रदेश में सुबह 8 से 9 बजे तक चले सफाई अभियान का हिस्सा था। इसका उद्देश्य लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाना और नगर को स्वच्छता में अग्रणी बनाना था।

कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष राजू जायसवाल ने नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा, यह केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि स्वच्छता के प्रति एकजुटता और एकता का प्रतीक है। आइए, हम सभी मिलकर समय निकालें और अपने नगर को स्वच्छ, साफ-सुथरा बनाएं। उन्होंने हम स्वच्छ तो नगर स्वच्छ का नारा दिया और आगामी त्योहारों में स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने की अपील की।

स्वच्छता प्रभारी धनसिंग नाग ने कहा, इस तरह के आयोजनों का उद्देश्य लोगों में जागरूकता लाना है। बड़े बचेली में स्वच्छता का माहौल सराहनीय है, और नागरिकों के सहयोग से हमारा नगर जल्द ही राज्य में अव्वल होगा। यह आयोजन नगर के बस स्टैंड पर हुआ, जहां सामूहिक रूप से सफाई की गई। कार्यक्रम में मुख्य नगर पालिका अधिकारी पी.टी.एम. कृष्णा राव, उप अभियंता संतोष नेगी, बड़े बाबू विष्णु मंडावी, स्वच्छता प्रभारी मिलिंद बारीक, हेमंत मंडावी, अनिशा निहलानी, पूरनबती, सपना, रणविजय और नगर पालिका के स्वच्छता कर्मी उपस्थित रहे।

न्यायालय अनुविभागीय दण्डाधिकारी छावनी/ भिलाई नगर जिला दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

दाण्डिक प्रकरण क्रमांक/1302/विविध/2025

थाना सुपेला जिला दुर्ग (छ.ग.)

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है पुलिस अधीक्षक जिला दुर्ग के द्वारा जिले के समस्त थाना/चौकी में जप्त लावारिश/लादावा वाहनों के निराकरण/नीलामी की कार्यवाही हेतु निर्देश प्राप्त होने पर थाना प्रभारी थाना सुपेला जिला दुर्ग द्वारा अपने चौकी/थाने क्षेत्रांतर्गत जप्त लावारिश वाहनों की जानकारी संबंधित परिवहन कार्यालय से लिया जाकर वाहन स्वामियों को वाहन रजिस्ट्रेशन पत्र के साथ उपस्थित होकर वाहन सरंक्षण में लेने हेतु नोटिस जारी किया गया था, जो अदम तामीली प्राप्त होने से नीलामी की कार्यवाही किये जाने बाबत् धारा-28 पुलिस एक्ट अनुसार इस्तगासा क्रमांक 01/2025, 03/2025 एवं 04/2025 तैयार कर प्रेषित किया गया है।

अतः वाहनों के नीलामी की कार्यवाही के पूर्व समाचार पत्र के माध्यम से अनुसूची में दर्शित वाहनों के वाहन मालिकों को समाचार पत्र के माध्यम से संसूचित किया जाता है कि वे सूची में दर्शित वाहनों के सरंक्षण प्राप्ति हेतु दावा आपत्ति रखते हो तो वाहन रजिस्ट्रेशन पत्रक एवं पहचान पत्र के साथ आगामी पेशी तिथि 12.10.2025 तक न्यायालयीन समय में स्वतः अथवा अपने अभिभावक/अभिभाषक/अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से लिखित में दावा आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते है म्याद वाद पश्चात उजर दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

थाना प्रभारी, थाना सुपेला में जप्त लावारिश/लादावा वाहनों अनुसूची बार-कोर्ड निम्नानुसार है-

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से आज दिनांक 24.09.2025 को जारी किया गया।

मुहर

जी- 252603729/1

अनुविभागीय अधिकारी
छावनी, दुर्ग (छ.ग.)

!! न्यायालय तहसीलदार पाटन जिला दुर्ग छ.ग.!!

// ईश्तहार //

राजस्व प्रकरण ब/121
वर्ष 2025

एतद् द्वारा आम जनता एवं सर्वसाधारण को सूचना प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक टकेशवर आ स्व. पुनउ राम निवासी बोरेन्दा तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. के द्वारा आवेदन पेश किया है कि मेरी पुत्री नेहा साहू पिता टकेशवर जन्म दिनांक 18.10.2007 को ग्राम बोरेन्दा प.ह.न. 40 तहसील पाटन जिला दुर्ग में जन्म होने के कारण जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः आवेदक टकेशवर आ. स्व. पुनछ राम निवासी बोरेन्दा तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र के आधार पर उपरोक्तानुसार जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त किये जाने की कार्यवाही पर जिस किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 29/09/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियम तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 15/09/2025 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर के साथ जारी।

जारी दिनांक 15/09/2025
सुनवाई दिनांक 29/09/2025

मुहर

कार्यपालिक दंडाधिकारी
पाटन जिला-दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय दण्डाधिकारी छावनी/ भिलाईनगर जिला-दुर्ग (छ.ग.)

// ईश्तहार //

दाण्डिक प्रकरण कमांक / 585 / विविध / 2025
थाना प्रभारी थाना जामुल जिला-दुर्ग (छ.ग.)

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि पुलिस अधीक्षक जिला दुर्ग के द्वारा जिले के समस्त थाना/ चौकी में जप्त लावारिश/लादावा वाहनो के निराकरण / नीलामी की कार्यवाही हेतु निर्देश प्राप्त होने पर थाना प्रभारी थाना जागुल जिला दुर्ग द्वारा अपने चौकी/ थाने क्षेत्रांतर्गत जप्त लावारिश वाहनों की जानकारी संबंधित परिवहन कार्यालय से लिया जाकर वाहन स्वामीयों को वाहन रजिस्ट्रेशन पत्र के साथ उपस्थित होकर वाहन संरक्षण में लेने हेतु नोटिस जारी किया गया था, जो अदम तामिली प्राप्त होने से नीलामी की कार्यवाही किये जाने बाबत् धारा 28 पुलिस एक्ट अनुसार ईश्तगाशा तैयार कर प्रेषित किया गया है।

अत: वाहनो की नीलामी की कार्यवाही के पूर्व समाचार पत्र के माध्यम से अनुसूचि मे दर्शित बाहनो के वाहन मालिको को समाचार पत्र के माध्यम से संसूचित किया जाता है। कि सूची में दर्शित वाहनों के संरक्षण प्राप्ति हेतु दावा आपत्ति रखते हो तो वाहन रजिस्ट्रेशन पत्रक एवं पहचान पत्र के साथ आगामी पेशी तिथि 10.10.2025 तक न्यायालयीन समय स्वत: अथवा अपने अभिभावक/अभिभाषक/अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से लिखित में दावा आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते है। म्याद वाद पश्चात् उजर दावा अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया गया जायेगा।

थाना प्रभारी, थाना जामुल जिला दुर्ग में जप्त लावारिश/लादावा वाहनों का विवरण क्यूआर कोड के माध्यम से देख सकते है।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से आज दिनांक 24.09.2025 को जारी किया गय।

जी- 252603735/1

SCAN ME

अनुविभागीय दण्डाधिकारी
छावनी, दुर्ग (छ.ग.)

//निविदा आमंत्रण सूचना प्रारूप//

//कार्यालय पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ, बघेरा-दुर्ग (छ.ग.) //

निविदा विज्ञप्ति क्र- पुअ/एसटीएफ/बघेरा/दुर्ग/साआ/ आई-1082 /25, दिनांक - 23/09/2025

निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक-03/2025-26

पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ बघेरा-दुर्ग के द्वारा निर्माण कार्य कराने जाने हेतु ई-पंजीयन के अंतर्गत श्रेणी"द" अथवा उससे उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारो से मोहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से आवेदन पत्र (आयकर चुकता प्रमाण पत्र सहित) के साथ निविदा प्रपत्र के मूल्य राशि 750/- रू. का राष्ट्रीयकृत/अधिकृत बैंकों से पुलिस अधीक्षक एसटीएफ बघेरा-दुर्ग छ.ग. के नाम से डीमांड ड्राफ्ट को प्रस्तुत कर प्राप्त किये जा सकते है।

क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रू. में)	धरोहर राशि (रू. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू.में)
01	एसटीएफ का नवीन कैम्प हब उसूर, जिला-बीजापुर में जवानों के उपयोग हेतु टॉयलेट बाथ सेट विथ वाटर टैंक 01 सेट निर्माण कार्य	13,12,000/-	13,200/-	750/-

1 निविदा फार्म विक्रय की अंतिम तिथि एवं समय - 29.10.2025 समय 17.00 बजे तक।
2 निविदा फार्म जमा करने का अंतिम तिथि एवं समय - 30.10.2025 समय 15.00 बजे तक।
3 टेक्निकल बिड खोलने का तिथि एवं समय - 30.10.2025 समय 16.00 बजे तक।
4 फायनेंशियल बिड खोलने का समय पृथक से अवगत कराया जावेगा।

नोट :- निविदा की नियम व शर्ते टेण्डर फार्म के साथ कार्यालयीन समय में सामग्री अध्यक्ष कार्यालय एसटीएफ बघेरा-दुर्ग से प्राप्त किये जा सकते है।

जी- 252603700/2

पुलिस अधीक्षक
एसटीएफ बघेरा, दुर्ग (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रिसाली

रिसाली सेक्टर बी.एस.पी. स्कूल नं.-35, पिन-490006

website:- risali.urbanecg.gov.in

क्र./लो.क.वि./2025/1156 रिसाली, दिनांक 24.09.2025

//निविदा सूचना//

नगर पालिक निगम, रिसाली की ओर से निम्नलिखित कार्यो हेतु लोक कर्म विभाग में एकीकृत पंजीयन प्रणाली में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से लो.क.वि. भवन एस.ओ.आर. 01.01.2015 एवं रोड एस.ओ.आर. 01.01.2015 के आधार पर प्रतिशत दर निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	कार्य का नाम	निविदा लागत (रू. लाख में)
1.	वार्ड क्र. 11 मरोदा सेक्टर बी पॉकेट दुर्ग उतई रोड में फैंसिंग	1.00
2.	वार्ड क्र. 12 मरोदा सेक्टर पश्चिम आई पॉकेट में 7ए एवं 15बी के पास पुलिया संधारण कार्य।	0.99
3.	वार्ड क्र. 38 स्टोर पारा पुरैना में सिद्धि विनायक चौक स्टेशन रोड में पाथवे निर्माण कार्य (पार्षद निधि)।	2.00
4.	वार्ड क्र. 40 पुरैना बस्ती के मनकी अम्मा मंदिर प्रांगण में शेड निर्माण कार्य (पार्षद निधि)।	1.50

नियम एवं शर्ते तथा कार्यो का विस्तृत विवरण संचालनालय की वेबसाईड www.uad.cg.gov.in एवं विभागीय risali.urbanecg.gov.in में भी देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम
रिसाली

दैनिक समय दर्शन

web: - www.samaydarshan.in

संक्षिप्त-खबर

एकात्म मानववाद एवं अंत्योदय के प्रणेता थे पंडित दीनदयाल उपाध्यक्ष, पाटन मंडल में मनाई जयंती

पाटन (समय दर्शन)। भाजपा पाटन मंडल द्वारा विश्राम पाटन में एकात्म मानवाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती आज मनाई गई। इस अवसर पर प्रमुख वक्ताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जीवनी पर प्रकाश डाला और उनके बताएं एकात्म मानवाद के रास्ते पर चलने का संकल्प भी लिया । कार्यक्रम का संचालन सागर सोनी ने तथा आभार व्यक्त नगर पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष दामोदर चक्रधारी ने किया। इस अवसर कर नगर पंचायत अध्यक्ष योगेश निक्की भाले, मंडल अध्यक्ष रानी केशव बंछोर,पूर्व मंडल अध्यक्ष खेमलाल साहू, नगर पंचायत उपाध्यक्ष निशा सोनी, पार्षद केवल देवांगन, जितेंद्र निर्मलकर, केशव बंछोर, मिलन देवांगन, दामोदर चक्रधारी, सागर सोनी, विक्की बंछोर, दिलीप साहू, अनिकेत मिश्रा, आदित्य सावर्णी, देवेंद्र ठाकुर, गोवर्धन बिजौरा, योगेश सोनी, किरण बंछोर, योगेश सोनी, सहित अन्य मौजूद रहे।

भाजपा दुर्ग जिला उपाध्यक्ष हर्षा लोकमणि चंद्राकर को सभापति प्रणव शर्मा ने बधाई दी

पाटन (समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी जिला दुर्ग में संगठन पर्व अंतर्गत जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक जी द्वारा जिला के पदाधिकारियों की नवनियुक्ति की गई है, जिसमें पूर्व जनपद पंचायत पाटन अध्यक्ष एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्रीमती हर्षा लोकमणि चंद्राकर जी को जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जिस पर सभापति प्रणव शर्मा ने हर्ष व्यक्त करते हुए साथी भाजपा कार्यकर्ताओं के उपस्थिति में बधाई एवं शुभकामनाएं दिए। इस अवसर पर थानेश्वर साहू, प्रशांत शर्मा, रवि साहू, होरीलाल धीवर, विमलकिशोर, विद्यासागर, मोनू साहू, बबला एवं अन्य ग्रामवासी उपस्थित रहे।

बसना में पेंशन भवन का लोकार्पण 28 सितम्बर को

बसना(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ पेंशनधारी कल्याण संघ पंजी. क्र. 1881, तहसील शाखा बसना द्वारा निर्मित पेंशन भवन का लोकार्पण आगामी रविवार, 28 सितम्बर 2025 को किया जाएगा। संघ द्वारा जारी जानकारी के अनुसार यह कार्यक्रम प्रात: 10 बजे पेंशन भवन परिसर (शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के पास) में आयोजित होगा।

इस अवसर पर पेंशनर वर्ग सहित सभी आमंत्रित महानुभावों को समय पर उपस्थित होने का निवेदन किया गया है। आयोजन से जुड़े शेष कार्यक्रम पूर्व में जारी आमंत्रण पत्रानुसार सम्पन्न होंगे। यह जानकारी प्रांतीय प्रचार सचिव आर.बी. प्रधान ने दी है।

ब्रह्माकुमारी केलाबाड़ी दुर्ग में देवियों की चैतन्य झांकी

दुर्ग (समय दर्शन)। शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय राजऋषि भवन केलाबाड़ी दुर्ग में आदि शक्तियों की चैतन्य झांकी 27 सितंबरसे 01 अक्टूबर 2025 तक लगाई जा रही है। जिसका समय संध्या 6:30 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक रहेगा। ध्वनि एवं प्रकाश से सुसज्जित चैतन्य झाँकी शहर में हमेशा ही एक आकर्षण का केंद्र रहा है उल्लेखनीय है कि ब्रह्माकुमारीज द्वारा लगाई जाने वाली चैतन्य झांकी में जो बहनें देवियों के रूप में विराजित रहती है वे सभी प्रतिदिन राजयोग का गहन अभ्यास करती है जिसके फलस्वरुप उन्हें इतने लंबे समय तक मूर्ति की भांति बैठने का अभ्यास होता है ।कहा जाता है मन एक चंचल घोड़े के समान है मन को साधने के पूर्व तन को साधना आवश्यक है हम जब राजयोग के द्वारा तन के कर्मेंद्रियों को नियंत्रण में करते हैं तो मन को नियंत्रित करने में सहयोग मिलता है राजयोग की मुख्य बिन्दु ही है स्वयं को आत्मा निश्चय कर परमपिता परमात्मा से संबंध जोड़ना जब यह अभ्यास जितनी ही गहनतम होती जाती है उतनी ही हमारी स्वयं की सूक्ष्म शक्तियों मन-बुद्धि-संस्कार व तन की कर्मेंद्रियों पर हमारा नियंत्रण होने लगता है ।

शासकीय महाविद्यालय बसना में मनाया गया आयुर्वेद दिवस

बसना (समय दर्शन)। स्वर्गीय श्री जयदेव सतपथी शासकीय महाविद्यालय बसना में प्राचार्य डॉक्टर एस साव के निर्देशन में वनस्पति शास्त्र विभाग द्वारा आयुर्वेद दिवस मनाया गया ।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर सरस्वती वंदना के साथ किया गया।

इसके पश्चात रोशनी गुप्ता ने आयुर्वेद दिवस मनाया जाने के कारण तथा आयुर्वेद के इतिहास के बारे में बताते हुए कहा कि आयुर्वेद का चलन उत्तर वैदिक काल से हुआ है, तथा प्रत्येक वर्ष 23 सितंबर को आयुर्वेद दिवस मनाया जाता है ।ऋग्वेद सुश्रुत संहिता चरक संहिता जैसे धर्म ग्रंथो में भी आयुर्वेद का वर्णन है ।

इसके पश्चात रसायन शास्त्र विभाग अध्यक्ष श्रीमती आरती साव ने पौधों में पाए जाने वाले विभिन्न प्रकार के रसायनों के बारे में बताते हुए हल्दी में पाए जाने वाले क्यूरक्यूमिन केमिकल के एंटीबायोटिक एंटी इन्फ्लेमेटरी गुण के बारे में बताया।

इसके पश्चात ग्रंथपाल श्री दीपक कुमार साहू ने बताया कि आजकल की युवा पीढ़ी आयुर्वेद को भूलकर एलोपैथिक दावों पर अधिक निर्भर है, आयुर्वेद दिवस मनाया जाने का मुख्य उद्देश्य लोगों को आयुर्वेद से संबंधित जानकारी देना और आयुर्वेदिक औषधि अपनाने के लिए प्रेरित करना है ।इसकी पश्चात आकांक्षा भोई ने छात्र-छात्राओं को छत्तीसगढ़ में पाए जाने वाले आयुर्वेदिक औषधियां के बारे में बताया। रूपेंद्र पटेल ने भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे आयुष मंत्रालय की जानकारी दी।

मुस्ताक खान ने बच्चों को आयुर्वेद औषधि अपनाने और लोगों को जागरूक करने के लिए कहा।

हेमलता सिन्हा ने कहा की आयुर्वेदिक औषधियां से किसी प्रकार का कोई साइड इफेक्ट नहीं होता है।

आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम जैसे प्रश्नावली, पोस्टर प्रतियोगिता, साग भाजी उत्सव,निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया,

इसमें प्रश्नावली में नीतीश डडसेना प्रथम, काजल गढ़तिया द्वितीय तथा दुर्गेश डडसेना तृतीय स्थान रहे। पोस्टर प्रतियोगिता में माधुरी पटेल प्रथम, सोनाली भोई द्वितीय, कौशल्या पोर्ते तृतीय स्थान रहे। साग भाजी उत्सव में दक्ष यादव प्रथम, प्रियंका सोनी द्वितीय , एवं कल्याणी राजपूत और दुर्गेश डडसेना तृतीय स्थान रहे। निबंध प्रतियोगिता में प्रीति देवांगन प्रथम, खगेश्वरी पटेल द्वितीय तथा प्रियंका सोनी तृतीय स्थान रहे।

स्वच्छता ही सेवा अभियान अंतर्गत अमृत सरोवरों व गांवों में श्रमदान कार्यक्रम सम्पन्न

बेमेतरा (समय दर्शन)। जिले में स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत एक दिन, एक घंटा, एक साथ श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। इस पहल के अंतर्गत अमृत सरोवरों एवं सभी गांवों में सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया गया। ग्रामीणों ने सामूहिक प्रयास से अपने आस-पास के वातावरण को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया।

भीमपुरी ग्राम में हुआ व्यापक श्रमदान व स्वच्छता कार्यक्रम

ग्राम भीमपुरी, ग्राम पंचायत रजकुड़ी जनपद पंचायत बेमेतरा में श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन विशेष रूप से किया गया। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्रीमती प्रेमलता मुख्य रूप से उपस्थित रहीं। उनके साथ जिला एवं जनपद पंचायत के अधिकारी-कर्मचारी, सरपंच-पंच तथा महिला स्व-सहायता समूह की सदस्याएं भी श्रमदान में शामिल हुईं। सभी ने मिलकर अमृत सरोवर व सार्वजनिक स्थलों की सफाई कर स्वच्छता का महत्व प्रदर्शित किया।

श्रमदान के साथ-साथ गांव में स्वच्छता रैली का भी आयोजन किया गया जिसमें ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों के साथ बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। बच्चों ने हाथों में तख्तियां और नारे लेकर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। इसके अलावा विद्यार्थियों द्वारा स्वच्छता पर आधारित आकर्षक पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसने कार्यक्रम को और जीवंत बना दिया। अंत में सभी ने स्वच्छता शपथ लेकर व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से सफाई बनाए रखने का संकल्प लिया, कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि स्वच्छता केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।

बाढ़ आपदा से निपटने हेतु आछोला-समोदा तट पर राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल और नगर सेना की मॉक ड्रिल

महानदी किनारे आपदा प्रबंधन का सजीव प्रदर्शन, आम नागरिकों को भी दी गई जीवन रक्षक जानकारी

जिला अस्पताल में राहत कैंप का कमिश्नर एवं कलेक्टर ने लिया जायजा

महासमुन्द(समय दर्शन)। महानदी तटस्थ ग्राम आछोला-समोदा में आज सुबह 10 बजे राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल एवं नगर सेना की संयुक्त टीम द्वारा बाढ़ आपदा से निपटने के लिए व्यापक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस अभ्यास का उद्देश्य आपदा की स्थिति में त्वरित राहत एवं बचाव कार्यों की वैज्ञानिक तैयारी को परखना और विभागों के बीच समन्वय को मजबूत करना था। इसके पश्चात द्वितीय चरण में जिला अस्पताल में राहत शिविर बनाया गया था, जहां आपातकालीन मेडिकल सेवा का प्रदर्शन किया गया। यहां आपातकालीन सेवाओं में तत्काल उपचार और मेडिकल सुविधा का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर कमिश्नर श्री महादेव कांवरे एवं कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने राहत कैंप और मेडिकल सुविधाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ हेमंत नंदनवार मौजूद थे।

अछोला में मॉक ड्रिल कमांडेंट मनीषा ठाकुर रावटे के मार्गदर्शन में अपर कलेक्टर सचिन भूतड़ा, रवि साहू, एएसपी प्रतिभा पांडेय, एसडीएम हरिशंकर पैकरा, स्वास्थ्य, पशुपालन, पुलिस, राजस्व, पीडब्ल्यूडी, पीएचई, खाद्य, समाज कल्याण, विद्युत, आरटीओ, ग्रामीण, विभागों के अधिकारी-कर्मचारी की मौजूदगी में मॉक ड्रिल सफलतापूर्वक सम्पन्न किया गया।

आज सुबह 10 बजे वैज्ञानिक प्रदर्शन में राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल के दल ने नाव, मोटरबोट एवं रस्सी की मदद से लोगों को सुरक्षित निकालने की तकनीकें दिखाई। बचाव अभ्यास के दौरान तेज धारा में फंसे व्यक्तियों को रेस्क्यू जैकेट, ट्यूब एवं रस्सी फेंककर बाहर निकालने का प्रदर्शन किया गया। प्राथमिक उपचार व मेडिकल सहायता के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम ने घायलों को तत्काल प्राथमिक चिकित्सा देने और एम्बुलेंस से नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुँचाने की प्रक्रिया समझाई। पशुधन की सुरक्षा के लिए पशुपालन विभाग ने बताया कि बाढ़ के दौरान मवेशियों को ऊँचे सुरक्षित स्थानों पर कैसे ले जाया जाए। विद्युत विभाग ने आपदा के समय बिजली बंद करने की अनिवार्यता पर बल दिया, वहीं पीएचई विभाग ने स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था के उपाय बताए।

आम नागरिकों के लिए बचाव के सामान्य तरीके एवं व्यवहारिक सुझाव दिए गए। इस दौरान बताया गया कि बाढ़ आने पर ऊँचे स्थान पर पहुँचें और भीड़भाड़ से बचें। बिजली के खंभों और तारों से दूर रहें। सुरक्षित पेयजल का ही उपयोग करें, पानी को उबालकर पीएं। बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को प्राथमिकता से सुरक्षित स्थान पर ले जाएं। साथ ही आपदा प्रबंधन दल द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करें।

इस मॉक ड्रिल ने न केवल प्रशासनिक अमले को आपदा से निपटने की तत्परता का अनुभव कराया बल्कि आम नागरिकों में भी जागरूकता बढ़ाई। अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार के अभ्यास समय-समय पर आयोजित कर लोगों को प्रशिक्षित किया जाएगा, ताकि प्राकृतिक आपदा की स्थिति में किसी भी जान-माल की हानि को कम किया जा सके।

ओडीसा आदिवासी बंजारा समाज का राज्य स्तरीय नुआखाई भेंट घाट-2025 सम्पन्न

नृसिंहनाथ(समय दर्शन)। ओडीसा आदिवासी बंजारा समाज का राज्य स्तरीय नुआखाई भेंट का कार्यक्रम प्रदेश के ऐतिहासिक नगरी एवं भगवान नृसिंह अवतार स्थल मे भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ ।

21 सितंबर 2025 (रविवार) को नृसिंहनाथ में राज्य स्तरीय नुआखाई भेट घाट-2025 कार्यक्रम जिला आदिवासी बंजारा समाज, बरगढ़ के बैनर तले परंपरागत सांस्कृतिक कार्यक्रम के बीच आयोजित हुआ ।

इस विशेष अवसर पर कई सम्माननीय अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। नुआखाई कार्यक्रम में बरगढ़ के सांसद प्रदीप पुरोहित बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए । सामाजिक कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय बंजारा समाज कर्मचारी सेवा संघ के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. मोहन चौहान उपस्थिति प्रदान की ,वहीं संगठन के उपाध्यक्ष प्रो. विश्वनाथ राठौड़ विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम मे ओडिशा के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में बंजारा समुदाय के सदस्यों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। इस अवसर पर कई जिलों से बंजारा समाज के नेता और अध्यक्ष उपस्थित थे, जिनमें चानबुटू बंजारा कार्यक्रम अध्यक्ष दुखीश्याम नाएक (गोर सिखवाड़ी के अध्यक्ष), कैलाश नायक (राज्य कार्यकारी अध्यक्ष), जेसनंत नायक (कालाहांडी के अध्यक्ष), नेहरू नायक (बरगढ़ के अध्यक्ष), दुर्योधन नायक (नुआपाड़ा के अध्यक्ष), प्रीति नायक (बलांगीर की अध्यक्ष), मितुराम नायक (नवरंगपुर के अध्यक्ष), जगदानंद वानखदत (मलकानगिरी के अध्यक्ष), चैतकुमार नायक (बोरासांबर के क्षेत्रीय अध्यक्ष) और सुरेश नायक (सोहेला के क्षेत्रीय अध्यक्ष), क्षीरसागर नायक शामिल हुए। इन महानुभावो की उपस्थिति ने राज्य भर में समुदाय की एकता और शक्ति को सशक्त बनाया।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रदीप पुरोहित के भव्य स्वागत के साथ हुई। अतिथियों का स्वागत पारंपरिक बंजारा नृत्य और लोकगीतों से किया गया, जिससे वातावरण आनंद और संस्कृति से भर गया। कार्यक्रम की पावन शुरुआत के उपलक्ष्य में, माँ बंजारी और माँ मेराना के समक्ष दीप प्रज्वलित किया गया। सभी गणमान्य व्यक्तियों ने अपने विचार व्यक्त किए और उपस्थित जनसमूह के साथ साझा किए।

समुदाय के सफल व्यक्तियों को सम्मानित करने के लिए एक विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया गया। रेशमलाल नायक, श्यामलाल नायक, सुमन नायक, भोलेश्वर नायक और सिबानी नायक को ओडिशा प्रशासनिक सेवा (ह्रस) परीक्षा में सफलतापूर्वक उत्तीर्ण होने के लिए सम्मानित किया गया।

रमेश नायक को बंजारा समुदाय पर उनके बहुमूल्य अनुसंधान कार्य के लिए सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह सांसद प्रदीप पुरोहित द्वारा संचालित किया गया, जिससे यह कार्यक्रम और भी सार्थक और प्रेरणादायक बन गया।

अपने भाषण में, श्री पुरोहित ने समाज में बंजारा समुदाय के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने सभी को आश्वस्त किया कि वे संसद में बंजारों की समस्याओं को उठाते रहे हैं और उनके कल्याण, प्रगति और विकास के लिए काम करते रहेंगे। उनके उत्साहवर्धक शब्दों ने पूरे समुदाय में आशा का संचार भर दिया। इस प्रकार, नुआखाई भेट घाट न केवल बंजारा समाज का फसल उत्सव नुआखाई का उत्सव था, बल्कि यह गौरव का क्षण भी था, जिसने ओडिशा में बंजारा समुदाय की गरिमा, संस्कृति और एकता को मजबूत किया। कार्यक्रम का उत्साहवर्धन दिलीप नायक ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन सुंदरमणि नायक ने किया।

उद्यानों को संवारने बढ़े हाथ, आयुक्त संग नागरिकों ने मिलकर किया जंगल क्लीन

रिसाली (समय दर्शन)। रजत जयंती व स्वच्छता ही सेवा अभियान के नवें दिन नगर पालिक निगम रिसाली क्षेत्र के तालपुरी ए ब्लाक स्थित क्लब हाऊस उद्यान की सफाई की गई। क्षेत्रीय नागरिकों ने उद्यान में श्रमदान किया। आयुक्त मोनिका वर्मा के मार्गदर्शन में चल रहे स्वच्छता अभियान में नागरिक उद्यान में गंदगी नहीं फैलाने का संकल्प भी लिया।

इसी पखवाड़े में नगर पालिक निगम रिसाली ने क्षेत्र के सभी उद्यानों की सफाई करने की कार्य योजना तैयारी की है। इसी के तहत गुरूवार को जन स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी और नागरिकों ने एक साथ तालपुरी ए ब्लाक क्लब हाऊस और निकट के उद्यान की सफाई करने हाथ बढ़ाया। इस उद्यान में जंगली घास और झाड़िया उग आई थी। निगम कर्मचारियों ने घास कटर से जंगली घास की सफाई की। वहीं नागरिकों ने खरपतवार को उखाड़कर बाहर किया। इस अवसर पर पार्षद सविता ढवस, नेताप्रतिपक्ष, शैलेन्द्र साहू, पार्षद माया यादव, शीला नारखेड़े, मण्डल अध्यक्ष अनुपम साहू, अजीत चैधरी, कार्यपालन अभियंता सुनील दुबे, उप अभियंता जयंत शर्मा, रेवती रमन, गोपाल सिन्हा, स्वास्थ्य विभाग प्रभारी अमित चंद्राकर समेत विभाग प्रमुख उपस्थित थे।

गंदगी फैलाने पर लगेगा जुर्माना

सफाई निगम कर्मचारियों ने पहले किया। इसके बाद सुबह 10 बजे कर्मचारी और नागरिक उद्यान पहुंचे। आयुक्त ने निर्देश दिए है कि उद्यान को उजाड़ बनाने और गंदगी फैलाने वालों से जुर्माना वसूल किया जाए। पार्षद एवं नागरिकों ने शहर को साफरखने संकल्प लिया।

सितंबर की मूसलाधार बारिश में रेनकोट और छाता लेकर स्कूल जाते दिखे बच्चे, सिकासार बांध से 50000 क्यूसेक पानी छोड़े जाने का आदेश

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिला मुख्यालय सहित आसपास के गांवों में लगातार दूसरे दिन मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है ।कहीं सड़कों पर पानी भरा हुआ है तो कहीं लोग छाते और रेनकोट के सहारे अपनी दिनचर्या पूरी करने मजबूर हैं ।स्कूली बच्चे भीगते हुए छाते और रेनकोट पहनकर स्कूल जाते नजर आए,वहीं कामगार लोग भीगते हुए अपने-अपने काम पर रवाना हुए।

इस बीच सिकासार बांध से पानी छोड़े जाने को लेकर बड़ा फैसला लिया गया है। 24 सितंबर 2025 को जिला प्रशासन ने आदेश जारी करते हुए कहा है कि आज दोपहर 3:00 बजे से सिकासार बांध से 5,00,00 क्यूसेक पानी छोड़ा जाएगा। जल संसाधन विभाग ने स्पष्ट किया है कि जलभराव की स्थिति को देखते हुए छोड़े जाने वाले पानी की मात्रा को आवश्यकता पड़ने पर बढ़ाया या घटाया भी जा सकता है ।वर्तमान में सिकासार जलाशय का जलस्तर 162.80 मीटर तक पहुँच चुका है,जो 90.93 प्रतिशत क्षमता का संकेत देता है ।प्रशासन ने आसपास के निचले इलाकों और तटवर्ती गांवों के लोगों को सतर्क रहने की अपील की है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय को उनके जन्म जयंती पर भाजपा जनों ने किया नमन

दुर्ग (समय दर्शन)। भाजपा के सिवा पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत एकात्म मानववाद के प्रणेता, महान चिंतक, अंत्योदय के प्रणेता, युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत, त्याग एवं तपस्या की प्रतिमूर्ति पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 109वीं जयंती के अवसर पर दुर्ग जिला भाजपा कार्यालय में जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित भाजपा जनों ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर तिलक कर एवं माल्यार्पण करके अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक महापौर अलका बाघमार सभापति श्याम शर्मा भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त जिला महामंत्री दिलीप साहू, उपाध्यक्ष शिवेंद्र परिहार, सरिता मिश्रा, मनोज सोनी, अशोक राठी, राजीव पांडेय , वरिष्ठ भाजपा नेता प्रितपाल बेलचंदन अजय तिवारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि एकात्मा मानववाद के प्रणेता लक्ष्य अंत्योदय, पथ अंत्योदय, प्रण अंत्योदय के विचारक पंडित दीनदयाल उपाध्याय के बारे में बोलना मतलब चांद को दीपक दिखाने के बराबर है जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के चिन्तक और संगठनकर्ता थे। वे भारतीय जनसंघ के अध्यक्ष भी रहे। उन्होंने भारत की सनातन विचारधारा को युगानुकूल रूप में प्रस्तुत करते हुए देश को एकात्म मानववाद नामक विचारधारा दी। वे एक समावेशित विचारधारा के समर्थक थे जो एक मजबूत और सशक्त भारत चाहते थे। राजनीति के अतिरिक्त साहित्य में भी उनकी गहरी अभिरुचि थी। उन्होंने हिन्दी और अंग्रेजी भाषाओं में कई लेख लिखे, जो विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में भी प्रकाशित हुए। जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने आगे कहा कि संघ के माध्यम से ही उपाध्याय जी राजनीति में आये। 21 अक्टूबर 1951 को डॉ0 श्यामाप्रसाद मुखर्जी की अध्यक्षता में 'भारतीय जनसंघ' की स्थापना हुई। गुरुजी (गोलवलकर जी) की प्रेरणा इसमें निहित थी। 1952 में इसका प्रथम अधिवेशन कानपुर में हुआ। उपाध्याय जी इस दल के महामंत्री बने। इस अधिवेशन में पारित 15 प्रस्तावों में से 7 उपाध्याय जी ने प्रस्तुत किये।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26